शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 322 | गुवाहाटी | रविवार, 28 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्वास्थ्य सेवाओं को जन-केंद्रित बनाने के लिए लगातार काम कर रही सरकार : नड्डा पेज 2
राज्य में कांग्रेस लड़खड़ाई, जनता से दूर हुई : भाजपा पेज 3
मोदी सरकार के 12 साल में आए क्रांतिकारी बदलाव : डॉ. अर्चना गुप्ता पेज 5
एफआईएच प्रो लीग : भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदा पेज 7

राज्य के छोटे चाय उत्पादकों को अब मिलेगा किसान आईडी का लाभ

सरकारी योजनाओं का ले सकेंगे फायदा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि असम में छोटे चाय उत्पादक अब किसान पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। इसके साथ ही एक ही मंच के माध्यम से सरकार की ओर से दिए जाने वाले अलग-अलग लाभों का फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को किसान आईडी जारी की जाएगी। जिससे वे उर्वरक, सरकारी योजनाओं के लाभ, बेहतर शर्तों पर संस्थागत कर्ज और अन्य कृषि सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। हालांकि चाय क्षेत्र उद्योग विभाग के अधीन ही रहेगा। लेकिन इस कदम से छोटे चाय उत्पादकों को कृषि विभाग की ओर से दी जाने वाली लाभ भी मिलेगा। शर्मा ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आज असम के लाखों छोटे चाय उत्पादकों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। चाय और बागान श्रेणी की भूमि जोत अब किसान पंजीकरण पोर्टल में शामिल कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने इस पहल को परिवर्तनकारी बताता। उन्होंने कहा कि किसान पहचान प्रणाली उर्वरकों की समय पर और जरूरत के हिसाब से उपलब्धता सुनिश्चित करेगी, एक ही मंच के माध्यम से सरकारी योजनाओं तक पहुंच प्रदान करेगी, संस्थागत ऋण को आसान बनाएगी और चाय उत्पादकों के शोषण में बिचौलियों की भूमिका को कम करेगी। उन्होंने कहा कि यह चाय उत्पादक समुदाय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो अब एक ही मंच के माध्यम से सरकार के सभी लाभों का आनंद ले सकते हैं। कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि इस फैसले से असम के छोटे चाय उत्पादकों को बहुत जरूरी सहायता मिलेगी, जो अब राज्य के चाय उत्पादन में लगभग आधा योगदान देते हैं। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि कई पीढ़ियों से, असम के छोटे चाय उत्पादक किसानों ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से असम चाय की पहचान को मजबूत किया है। हजारिका ने कहा कि किसानों के पंजीकरण पोर्टल में चाय और बागान श्रेणी की भूमि को शामिल करने से पात्र उत्पादकों को किसान आईडी प्राप्त करने और सरकारी सहायता का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि अब हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि प्रत्येक पात्र छोटे चाय उत्पादक को इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में सहजता से एकीकृत किया जाए और उन्हें वह समर्थन मिले जिसके वे हकदार हैं। भारतीय चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च, 2025 तक असम में 1,33,864 छोटे चाय उत्पादक 1,26,107.64 हेक्टेयर भूमि पर चाय की खेती कर रहे थे।

तिनसुकिया में अल्फा (स्वा.) के दो संदिग्ध कैडर गिरफ्तार

पुलिस ने सामुहिक हत्या की साजिश को नाकाम किया

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस ने तिनसुकिया में गिरफ्तार किए गए प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-स्वा.) के दो कैडरों की गिरफ्तारी के बाद असम पुलिस ने आधिकारिक रूप से बयान जारी करते हुए आज कहा है कि पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ मिलकर बड़ी आतंकी हमले को रोकने में सफलता हासिल की है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और

सुरक्षा बलों की मदद से तिनसुकिया पुलिस द्वारा चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में लेखापानी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जागुन से अल्फा (स्वा.) के दो सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर असोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) और स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज असोम उर्फ पापू मोरान (30) के रूप में की गयी है। ये दोनों वर्ष 2018 में अल्फा (स्वा.) में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में शामिल पक्के कैडर थे। दोनों कैडरों के पास से बरामद हथियार एवं अन्य सामग्रियों में दो एके-56 राइफलें, एके राइफल के 172 राउंड जिंदा कारतूस, दो हैंड ग्रेनेड, एक दवा किट जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.4

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में शनिवार सुबह मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का झटका तड़के 04 बजकर 51 मिनट 16 सेकेंड पर महसूस किया गया। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.4 मापी गई। इसका केंद्र असम के कछार जिले में जमीन के अंदर करीब 42 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का एपिसेंटर 24.940 उत्तरी अक्षांश और 92.562 पूर्वी देशांतर पर -शेष पृष्ठ दो पर

आठ प्रमुख विभागों के बजट प्रस्तावों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के आठ महत्वपूर्ण विभागों के वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों की आज विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। असम के वित्त, वन एवं पर्यावरण मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा के नेतृत्व में शनिवार को दिसपुर लोकसेवा भवन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पूंजी के सर्वोत्तम उपयोग को सुनिश्चित करते हुए व्यावहारिक एवं विकासोन्मुख बजट तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। सरकार का उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाना तथा विकास का लाभ राज्य के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना है। मंत्री मल्लबरुवा ने कहा कि राज्य सरकार एक ऐसे यथार्थवादी बजट के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जो उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करते हुए असम के समग्र विकास को गति प्रदान करे और जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाए। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आग सिर में स्थापित करने पर भी जलाती है। अर्थात दुष्ट व्यक्ति का कितना भी सम्मान कर लें, वह सदा दुःख ही देता है।
- **आचार्य चाणक्य**

अंबुवासी महायोग के दौरान आठ लाख से अधिक भक्तों ने कामाख्या मंदिर के दर्शन किए : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि इस वर्ष के अंबुवासी महायोग में नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित पूजनीय कामाख्या मंदिर में आठ लाख से अधिक श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड उपस्थिति दर्ज की गई, और उन्होंने इस सभा को असम की आध्यात्मिक विरासत और चिरस्थायी सनातन परंपरा का एक सशक्त प्रतिबिंब बताया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने लिखा कि जय मां कामाख्या। अंबुवासी महायोग 2026 के पवित्र अवसर पर, 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने मां कामाख्या धाम को आस्था के एक भव्य संगम में बदल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि देश और विदेश से श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी वार्षिक उत्सव के गहन आध्यात्मिक महत्व को दर्शाती है। मां के चरणों में उमड़ती यह असीम भक्ति असम की आध्यात्मिक शक्ति और -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान के ड्रोन व मिसाइल ठिकानों पर अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले

ईरान ने किया जवाबी कार्रवाई का दावा

वाशिंगटन/तेहरान (हि.स.)। अमेरिका और ईरान के बीच 18 जून को हुआ शांति समझौता दस दिन भी नहीं टिक पाया और एकबार फिर दोनों पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ नए हमले के दावे करते हुए धमकियां दे रहे हैं। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर ताबड़तोड़ हमले करते हुए मिसाइल एवं ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को सीजफायर तोड़ने का जिम्मेदार बताते हुए इसे अमेरिका की जवाबी कार्रवाई बताया। जबकि ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि ईरानी तटों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में उसकी नौसेना ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) के मुताबिक ईरान ने 25 जून को होर्मुज जलडमरूमध्य में सिंगापुर के कार्गो शिप *एमवी एवर लवली* पर ड्रोन हमला किया था। सीईएनटीसीओएम ने इसे सीजफायर उल्लंघन% बताते हुए शुक्रवार को ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स पर ताबड़तोड़ हमले किए। सीईएनटीसीओएम की तरफ से इस हमले की फुटेज जारी करते हुए ब्यौरा दिया गया है। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी -शेष पृष्ठ दो पर

भायखला में मुहर्रम जुलूस के दौरान *पेन किलर* के नाम पर बांटी गईं चूहे मारने की गोलियां

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुंबई के भायखला इलाके में मुहर्रम के दौरान नागरिकों को *पेन किलर* (दर्द निवारक) बताकर चूहे मारने की दवा (गोलियां) बांटी गईं। इन गोलियों के सेवन से कुछ युवाओं की तबीयत बिगड़ गई है और एक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुंबई पुलिस की सतर्कता की वजह से गोलियां बांटने वाले मुख्य आरोपित को रंगे हाथों पकड़ लिया गया है और उसके पास से 14 हजार जहरीली गोलियां जब्त की गई हैं। मुंबई पुलिस उपायुक्त जयंत मीणा ने आज बताया कि आरोपित ने कुछ खास लोगों को टारगेट करके उन्हें मारने या उन्हें बहुत नुकसान पहुंचाने के इरादे से 30,000 खाली कैप्सूल और 100 ग्राम *जिंक फॉस्फाइड* (चूहों को मारने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक बहुत जहरीला केमिकल) ऑनलाइन ऑर्डर किया था। उसने हर कैप्सूल में एक ग्राम जिंक फॉस्फाइड भरकर ये जहरीली गोलियां बनाई थीं। वह जुलूस में लोगों को यह कहकर धोखा देकर ये गोलियां बांट रहा था कि यह गोली पेन किलर का काम करती है। पुलिस उपायुक्त मीणा ने बताया कि यह गोली खाने के बाद जुलूस में कुछ लोगों को पेट में तेज दर्द -शेष पृष्ठ दो पर

संसद में रक्षा मंत्री का बयान गलत संदर्भ में देखा जा रहा : रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों के बलिदान के समाचार के बाद सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का 28 जुलाई 2025 को संसद में दिया बयान वायरल हो रहा है। इसमें वे किसी जवान के बलिदान नहीं होने की बात कह रहे हैं। इस पर रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्टीकरण जारी कर कहा है कि उनके बयान को गलत संदर्भ में देखा जा रहा है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पायलटों के मारे जाने की एक धारणा प्रचलित और हावी हो गई थी। धारणा पूरी तरह से झूठी और -शेष पृष्ठ दो पर

सेल्फ-फाइनांस्ड, एंडोमेंट कोर्स के लिए शुल्क में कोई छूट नहीं : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी। असम सरकार ने स्पष्ट किया है कि राज्य की शुल्क माफी योजना के तहत उसकी जिम्मेदारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों द्वारा स्वतंत्र रूप से शुरू किए गए स्व-वित्तपोषित या अनुदानित पाठ्यक्रमों तक विस्तारित नहीं होती है। शनिवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री रोनोज पेगु ने कहा कि सरकार द्वारा अनुमोदित और वित्त पोषित पाठ्यक्रमों के अलावा अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा शुरू किए गए पाठ्यक्रम आम तौर पर स्व-वित्तपोषण या बंदोबस्ती मॉडल के तहत चलाए जाते हैं, जिसके लिए राज्य की कोई प्रत्यक्ष वित्तीय बाध्यता नहीं होती है। ऐसे मामलों में सरकार शुल्क माफी नहीं देती है। चूंकि शिक्षण संस्थानों ने ये पाठ्यक्रम स्वयं शुरू किए हैं, इसलिए प्राथमिक जिम्मेदारी कॉलेज अधिकारियों की है। सरकार उचित समय पर इस मामले पर उचित निर्णय लेगी, पेगु ने कहा। यह स्पष्टीकरण असम में उच्च शिक्षा के विस्तार और निजी संस्थानों की भूमिका पर हो रही चर्चाओं के बीच -शेष पृष्ठ दो पर

पोटका में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप गहराया, तीन बच्चों की मौत

पूर्वी सिंहभूम (हि.स.)। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार तक इस बीमारी से तीन बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि 16 नए संक्रमित मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। प्रभावित गांवों और छात्रावासों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें जांच, उपचार, दवा वितरण और जागरूकता अभियान चला रही हैं। शनिवार को पोटका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में लगातार तीसरे दिन विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान 14 लोगों में -शेष पृष्ठ दो पर

सेशेल्स दौरे पर पीएम मोदी का खास अंदाज

194 साल के कछुए जोनाथन को अपने हाथों से खिलाया खाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने शनिवार को विक्टोरिया में सेशेल्स के नेशनल बॉटनिकल गार्डन का दौरा किया। यह दौरा प्रधानमंत्री की इस द्वीपीय देश की आधिकारिक राजकीय यात्रा शुरू होने के कुछ ही समय बाद हुआ। इस गार्डन के दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी को बड़े कछुओं को उत्साह के साथ खाना खिलाते हुए देखा गया। इनमें मशहूर 194 साल का कछुआ *जोनाथन* भी शामिल था, जिसे -शेष पृष्ठ दो पर

पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर में तेज हुए विरोध प्रदर्शन, जरूरी सामानों की सप्लाई रुकी

नई दिल्ली। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में लोग महंगाई, टैक्स और प्रशासनिक नीतियों के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच अब ये पूरी तरह से कंफर्म हो गया है कि पाकिस्तान ने इलाके में खाद्य आपूर्ति पर रोक लगा दी है। बताया जा रहा है कि इस्लामाबाद से पीओजेके के लिए राशन और अन्य जरूरी सामान लेकर जा रहे कई ट्रकों को सीमा पर ही रोक दिया गया है। दावा है कि ये ट्रक पिछले सात दिनों से वहीं खड़े हैं, जिसके कारण कई इलाकों में खाद्य सामग्री की आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कदम प्रदर्शनकारियों पर दबाव बनाने और आंदोलन को कमजोर करने के लिए उठाया गया है। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी का कहना है कि लोगों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए अब जरूरी सामान की सप्लाई भी रोकी जा रही है। उनका आरोप है कि इससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

स्वास्थ्य सेवाओं को जन-केंद्रित बनाने के लिए लगातार काम कर रही सरकार : नड्डा

हरिद्वार (हि.स.)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में शनिवार को *दधीचि अंगदान संकल्प अभियान* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा शामिल हुए। उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर देशभर से आए विशेषज्ञों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं साधकों ने अंगदान के महत्व पर विचार रखे तथा अनेक लोगों ने मानव सेवा के लिए अंगदान का संकल्प लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अंगदान मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य है, जिसके माध्यम से गंभीर रूप से जरूरतमंद लोगों को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंगदान को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से समझने की आवश्यकता है। अंगदान एवं प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत ढांचे को विकसित किया गया है और राज्यों में भी अंगदान से जुड़े संगठनों को सक्रिय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से देश में अंगदान की संख्या में वृद्धि हुई है और जनभागीदारी से इसे एक व्यापक जनआंदोलन बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महर्षि दधीचि के त्याग का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपनी अस्थियों तक का दान कर दिया था। इसी प्रकार राजा शिवि द्वारा एक पक्षी की रक्षा के लिए अपने शरीर का अंश अर्पित करने की कथा भारतीय संस्कृति में करुणा और परोपकार की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद भी यदि शरीर का कोई अंग किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है, तो इससे बड़ा मानव कल्याण का कार्य कोई नहीं हो सकता। धामी ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, चिकित्सा ढांचे के विकास और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। उत्तराखंड में भी स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में अंगदान और प्रत्यारोपण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। दून मेडिकल कॉलेज में राज्य के प्रथम सरकारी ऊतक प्रत्यारोपण केंद्र के निर्माण सहित अंग प्रत्यारोपण केंद्रों, अंग बैंक और जिला स्तरीय अंगदान केंद्रों के नेटवर्क को विकसित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंदों को समय पर अंग उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री धामी ने गायत्री परिवार द्वारा आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने आध्यात्मिक चिंतन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सरल रूप में जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का मेरुदण्ड है। यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि त्याग, सहयोग, कर्तव्यबोध और लोकमंगल की भावना को जागृत करने वाली जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण के लिए अपने समय, श्रम और संसाधनों का समर्पण ही यज्ञ की वास्तविक भावना है।

बारिश से त्राहिमाम कर रहा अरुणाचल आईएमडी ने दी नई चेतावनी

इटानगर। पूर्वोत्तर का राज्य अरुणाचल प्रदेश इस समय भीषण प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ ने जनजीवन को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया है। केयी पन्योर जिले में बादल फटने के बाद आई तबाही में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर अब दो हो गया है। शनिवार को मलबे से एक और महिला का शव बरामद किया गया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए बेहद डरावनी चेतावनी जारी की है। क्या यह आफत अभी और बढ़ेगी ? प्रशासन इस आपदा से निपटने के लिए क्या कदम उठा रहा है ? इस आपदा ने शनिवार को उस वक्त और दर्दनाक रूप ले लिया, जब एनईईपीसीओ कॉलोनी में मलबे के नीचे से 30 वर्षीय बल्लारी मारक उर्फ ओलिन सिंकली का शव निकाला गया। वह मूल रूप से मेघालय के री-भोई जिले की रहने वाली थी। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बेरु दुलम ने इस मौत की पुष्टि की है। बुधवार सुबह आई इस अचानक बाढ़ के बाद से पांच लोग लापता थे। अब तक दो महिलाओं के शव मिल चुके हैं, जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों को तलाशने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और स्थानीय वॉलेंटियर्स की टीमें जुटी हुई हैं। राहत कार्यों को गति देने के लिए भारतीय वायुसेना और नागरिक उड्डयन के हेलीकॉप्टरों की मदद ली जा रही है। क्या लापता लोगों को सुरक्षित बचाया जा सकेगा ? यह सवाल हर किसी के जेहन में है। क्या अरुणाचल को इस तबाही से जल्द राहत मिलेगी ? मौसम विभाग के अनुमान तो कुछ और ही इशारा कर रहे हैं। आईएमडी ने रविवार से राज्य के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश, आकाशीय बिजली और गरज-चमक की चेतावनी दी है। लोअर सियांग, वेस्ट सियांग और ईस्ट सियांग जिलों के लिए *रेड अलर्ट* जारी किया गया है। सोमवार को भी मध्य और पूर्वी अरुणाचल में भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। लोअर दिबांग वैली के लिए *ऑरेंज अलर्ट* जारी है। हालांकि, मंगलवार से बारिश की रफ्तार थोड़ी कम होने की उम्मीद है। बुधवार और गुरुवार से मौसम में सुधार होने की संभावना जताई गई है।

नई चाल : ड्रोन की आवाज दबाने के लिए बजाते हैं तेज डीजे म्यूजिक

अमृतसर (हिंस)। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे इलाकों में तस्करी करने वाले नेटवर्क सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। जांच में सामने आया है कि तस्कर ड्रोन के जरिए हथियारों और नशे की खेप गिराए जाने के दौरान तेज आवाज में डीजे म्यूजिक बजाते हैं, ताकि ड्रोन की आवाज और जमीन पर गिरने वाली खेप की आवाज दब जाए। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि भारतीय सीमा की तरफ सक्रिय तस्कर ड्रोन की भनभनाहट और खेप गिरने की आवाज को छिपाने के लिए हाई-वॉल्यूम म्यूजिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय लोगों के लिए ड्रोन गतिविधि का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। सीमावर्ती इलाकों में हाल के दिनों में नशे और हथियारों की बड़ी बरामदगी के बीच यह नया ट्रेंड सामने आया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तस्करी नेटवर्क लगातार अपने तौर-तरीकों में बदलाव कर रहे हैं, ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजर से बचा जा सके। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हाल की बरामदगियों से यह भी संकेत मिला है कि तस्कर अब बड़े ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन ड्रोन की क्षमता 10 से 15 किलो तक की खेप उठाने की होती है। इससे एक ही उड़ान में ज्यादा मात्रा में नशा, हथियार या नकदी पहुंचाई जा सकती है, जिससे ड्रोन उड़ानों की संख्या कम होती है और पकड़े जाने का खतरा भी घट जाता है।

यूपी और साउथ कोरिया को साझी विरासत से जोड़ती हैं अयोध्या की राजकुमारी : योगी

नोएडा (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को साउथ कोरिया के साथ उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि कोरियाई परंपरा के अनुसार रानी हियो ह्वांग-ओक अयोध्या की राजकुमारी रत्ना थीं, जिन्होंने समुद्र के रास्ते इस पूर्वी एशियाई देश की यात्रा की थी। गौतम बुद्ध नगर के जेवर इलाके में एम्बर और एसेंट-के सर्किट्स इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक संबंध उत्तर प्रदेश और साउथ कोरिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरियाई इतिहास के अनुसार, उनकी रानी हियो अयोध्या की राजकुमारी रत्ना थीं, जिन्होंने समुद्र के रास्ते कोरिया की यात्रा की थी। कोरिया की फर्स्ट लेडी के उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान, हमने उनकी याद में अयोध्या में एक मेमोरियल पार्क बनाया था। उन्होंने अयोध्या में राम कथा पार्क में कोरियाई रानी हियो ह्वांग-ओक के सम्मान में बने पत्थर के स्मारक का जिक्र किया। सरयू नदी के किनारे घाटों के पास बने इस स्मारक पर रानी हियो की कहानी लिखी है और यह पार्क के अंदर ही है। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या आने वाले दक्षिण कोरियाई राजदूत अक्सर साझी विरासत को याद करते हुए भावुक हो जाते थे और दोनों देशों के बीच *आध्यात्मिक रिश्ते* को मजबूत करने की कोशिश करते थे।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या हुई 1000, अभी भी हजारों लापता

काराकास (हि.स.)। वेनेजुएला में इस सप्ताह आए दो शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। अंतरिम राष्ट्रपति जॉर्ज रोड्रिगेज ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों की संख्या 1000 के करीब पहुंच गई है, जबकि हजारों लोग लापता हैं। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय बचाव दल बचे हुए लोगों की तलाश के लिए राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है। फ्रांस की सरकारी अंतर्राष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस 24 व अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टीवी पर दिए भाषण में अंतरिम राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे-जैसे बचावकर्मी ज्यादा प्रभावित इलाकों तक पहुंचे, मरने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई। हजारों लोगों का अभी भी कोई पता नहीं है। लापता लोगों का पता लगाने के लिए बनाई गई एक वेबसाइट पर लगभग 50,000 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है, हालांकि इस आंकड़े की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, बुधवार शाम को एक मिनट से भी कम समय के अंतराल पर 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप आए। राजधानी कराकस से लगभग 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित तटीय शहर ला गुएरा व मोरोन सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां भूकंपों से एक के बाद एक कई इमारतें ढह गईं। शुरुआती मॉडलिंग का अनुमान है कि मरने वालों की अंतिम संख्या 10,000 से 100,000 के बीच हो सकती है। रोड्रिगेज ने ला गुएरा को आपदा क्षेत्र घोषित किया है और कहा है कि दर्जनों इमारतें ढह गई हैं और राज्य के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है। करीब 346 इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं, जिनमें आठ अस्पताल और वेनेजुएला रेड क्रॉस का मुख्यालय भी शामिल है। कराकस की सेवा करने वाले साइमन बोलिवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को ढांचागत नुकसान के कारण बंद कर दिया गया है। बचाव कार्यों में मदद के लिए अमेरिका, भारत, मैक्सिको, स्पेन और अल साल्वाडोर सहित कई देशों की अंतर्राष्ट्रीय बचाव टीमें पहुंची हैं। संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने मीडिया को बताया कि बुधवार शाम एक मिनट के अंतराल पर आए दो जबरदस्त भूकंपों के बाद 50,000 से ज्यादा लोग लापता हैं; इन भूकंपों ने देश के उत्तरी हिस्से में कई इमारतों को जमींदोज कर दिया। वेनेजुएला में एक सदी से भी ज्यादा समय में आया यह सबसे भयानक भूकंप ऐसे समय में आया है जब तेल से मालामाल यह देश एक दशक से ज्यादा समय से आर्थिक तबाही झेल रहा है। इस संकट ने अस्पतालों और सार्वजनिक सेवाओं को खोखला कर दिया है, जिससे लाखों लोगों को देश छोड़ना पड़ा है। अमेरिका द्वारा पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के छह महीने बाद भी देश एक नाजुक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता एजेंसी (ओसीएचए) ने कहा कि बचे हुए लोगों को खोजने में मदद के लिए कम से कम 17 देशों की खोज और बचाव टीमों को जुटाया जा रहा था। गौरतलब है कि इसी तरह की तीव्रता वाले भूकंपों ने जनवरी, 2010 में हैती में 2 लाख से ज्यादा और अक्तूबर 2005 में भारत के कश्मीर में 73,000 लोगों की जान ली थी। वहीं, वेनेजुएला में आए भूकंप से मरने वाले विदेशी नागरिकों में 28 पुर्तगाली, पांच स्पेनिश, दो ब्राजीलियाई, सात चीनी, एक चिली का और एक इटैलियन-वेनेजुएला का नागरिक शामिल था। संबंधित सरकारों के अनुसार, 85 पुर्तगाली नागरिक और 119 स्पेनिश नागरिक लापता थे या उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी। ये भूकंप वेनेजुएला में आए अब तक के सबसे शक्तिशाली भूकंप थे। इससे पहले साल 1900 में समुद्र में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

पृष्ठ एक का शेष

पुलिस ने सामुहिक हत्या...

सिरिंज और ओपिओइड दवाएं थीं, जंगल में लंबे समय तक जीवित रहने के लिए खाद्य सामग्री, बैकपैक और युद्ध से संबंधित अन्य सामान, जिसमें नकद पैसे भी शामिल हैं। शुरुआती जांच से पता चलता है कि अल्फा (स्वा.) ने पकड़े गए कैडरों को तिनसुकिया शहर में निर्दोष नागरिकों पर अंधाधुंध हमले करने का काम सौंपा था, जिसका मकसद जनता के बीच बड़े पैमाने पर दहशत फैलाना था। योजनाबद्ध तरीके से की गई इस कार्रवाई से बाहरी ताकतों के प्रभाव और समर्थन का संकेत मिलता है, जो क्षेत्र को अस्थिर करने और सार्वजनिक शांति को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में, लेखापानी पुलिस स्टेशन में केस नंबर 42/2026 यू/एस 109/61(2)/189(4)/147/149/151 बीएनएस, आर/डब्ल्यू सेक्शन 10/13/16(1)(ड्ड)/18/19/20/21/39/40 यूए (पी) एक्ट आर/डब्ल्यू सेक्शन 25 (1ए)/25(6)/27(2) आर्म्स एक्ट आर/डब्ल्यू सेक्शन 4/5/6 ईएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पता चला है कि ये दोनों कैडर 17/10/2025 को काकोपथार में आर्मी कैंप पर घात लगाकर किए गए हमले, 21/03/2026 को असम पुलिस के कमांडो कैंप पर हमले और 23/10/2024 को जागुन में एक क्रशर के कर्मचारी के अपहरण में भी शामिल थे।

असम में भूकंप के ...

दर्ज किया गया। झटके महसूस होते ही लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

आठ प्रमुख विभागों के ...

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के तहत चल रही परियोजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

अंबुवासी महायोग के दौरान ...

शाश्वत सनातन परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए एक चित्र के अनुसार, इस उत्सव के दौरान लगभग आठ लाख श्रद्धालु नीलाचल पहाड़ियों पर उमड़े, जिससे यह वार्षिक धार्मिक आयोजन के इतिहास में सबसे बड़ी सभाओं में से एक बन गई। अंबुवासी महायोग कामाख्या मंदिर में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव है। कामाख्या मंदिर देश के सबसे प्राचीन और पूजनीय शक्ति पीठों में से एक है। यह वार्षिक आयोजन देवी कामाख्या के प्रतीकात्मक माहवारी का प्रतीक है और भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से लाखों तीर्थयात्रियों, संन्यासियों, साधुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। यह मंदिर तीन दिनों तक बंद रहता है, जो देवी के वार्षिक मासिक धर्म चक्र का प्रतीक है। विस्तृत अनुष्ठानों के बाद चौथे दिन मंदिर फिर से खुल जाता है, जिससे भक्त प्रार्थना कर सकते हैं और आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। असम सरकार ने त्योहार के सुचारू संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था की थी, जिसमें बढ़ी हुई सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधाएं और तीर्थयात्रियों के लिए आवास शामिल थे। कई विभागों ने मिलकर भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए समन्वय से काम किया कि श्रद्धालु बिना किसी बड़ी असुविधा के धार्मिक आयोजन में भाग ले सकें। रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को असम के धार्मिक पर्यटन के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा और अंबुवासी महायोग की बढ़ती राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का प्रमाण माना जा रहा है।

ईरान के ड्रोन व मिसाइल ...

वेंस ने एक्स पर सीईएनटीसीओएम का बयान साझा करते हुए कहा कि हिंसा का जवाब हिंसा से दिया जाएगा। वेंस ने लिखा कि ईरान ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, हमने उसका पालन किया। अगर उन्हें इस समझौते के लागू होने पर कोई आपत्ति है, तो वे फोन कर सकते हैंस, लेकिन हिंसा का जवाब हिंसा से दिया जाएगा। इससे पहले व्हाइट हाउस में शुक्रवार दोपहर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि वे यह नहीं बताएंगे कि अमेरिका ड्रोन हमले का कैसे जवाब देगा या सीजफायर को अब भी मानता है या नहीं लेकिन उन्होंने कल हमला किया, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। ईरान ने दावा किया कि कार्गो शिप पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि वो होर्मुज जलडमरूमध्य के उस रास्ते से जा रहा था जिसे ईरान ने अधिकृत नहीं किया है। मीडिया संस्थान ईरान इंटरनेशनल के मुताबिक ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी और फॉरेन पॉलिसी कमेटी के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका पर बातचीत और सीजफायर, दोनों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा कि बातचीत के दौरान वॉशिंगटन ने एक बार फिर ईरान पर हमला किया। अमेरिका ने बातचीत के बीच एक बार फिर ईरान पर हमला किया। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह सीजफायर का यह खुला उल्लंघन उनके पीछे हटने और पछतावे पर खत्म होगा। उनका ये बयान आईआरजीसी के उस दावे के बाद आया है जिसमें उसने कहा था कि उसने इलाके में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया है। यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा वादों के उल्लंघन के जवाब में की गई थी। हालांकि उसकी तरफ से इस हमले का ब्यौरा नहीं दिया गया है।

संसद में रक्षा मंत्री ...

हतोत्साहित करने के इरादे से आक्रामक रूप से प्रचारित की जा रही थी। रक्षा मंत्री का बयान इसी विशिष्ट और दुर्भावनापूर्ण धारणा के संदर्भ में था। मंत्रालय का कहना है कि उनकी टिप्पणियां उस समय खतरनाक रूप से फैल रहे एक झूठ का लक्षित और प्रासंगिक जवाब थीं। रक्षा मंत्री के संबोधन को उसके पूर्ण और उचित संदर्भ में समझना भी महत्वपूर्ण है। बयान में कहा गया है कि रक्षा मंत्री का बयान भारतीय रक्षा बलों के साहस और क्षमता को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि थी और भारत को नुकसान पहुंचाने की इच्छा रखने वालों के लिए एक स्पष्ट संदेश था। मंत्रालय का कहना है कि रक्षा मंत्री और भारत सरकार भारतीय रक्षा बलों के प्रत्येक सदस्य के प्रति, और विशेष रूप से राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वालों के प्रति, अपने सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा में दृढ़ हैं। उनके सर्वोच्च बलिदान को मान्यता देते हुए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि उनके नाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की दीवारों पर अंकित हों। सरकार ने वीर शहीदों के परिवार व आश्रितों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं में रियायतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। दूसरी ओर वायरल हो रहे वीडियो पर मंत्रालय का कहना है कि इन पोस्टों में भाषण के एक चुनिंदा अंश को उद्धृत करके यह झूठा दावा किया गया है कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। ये पोस्ट जानबूझकर भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। रक्षा मंत्री के संसदीय भाषण से विवाद खड़ा करने का प्रयास करने वालों ने जानबूझकर उनके पूरे संदर्भ को नजरअंदाज किया है।

सेल्फ-फाइनांस्ड, एंडोमेंट...

आया है। इस सप्ताह की शुरुआत में, राज्य मंत्रिमंडल ने उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से असम निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2007 में संशोधन को मंजूरी दी। प्रस्तावित संशोधनों के तहत, निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि की मात्रा में काफी कमी की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में, आवश्यकता 60 बीघा से घटाकर 35 बीघा कर दी जाएगी, जबकि गुवाहाटी और डिब्रूगढ़ जैसे शहरी केंद्रों में इसे 30 बीघा से घटाकर 21 बीघा कर दिया जाएगा। मंत्रिमंडल ने निजी संस्थानों के लिए बंदोबस्ती निधि मानदंडों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि इन सुधारों का उद्देश्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों को आकर्षित करना और राज्य के भीतर उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार करना है। इसका उद्देश्य अधिक गुणवत्ता वाले निजी विश्वविद्यालयों को असम में परिसर स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना और राज्य के भीतर छात्रों के लिए अधिक शैक्षिक अवसर प्रदान करना है, शर्मा ने कहा था। इस बीच, पेगु ने सरकारी योजनाओं के तहत आपूर्ति की जाने वाली स्कूल यूनिफॉर्म की गुणवत्ता को लेकर जताई गई चिंताओं का भी जवाब दिया, विशेष रूप से उन आरोपों का कि कपड़े में पॉलिएस्टर का अनुपात अधिक होता है, जिससे यह गर्मियों के दौरान बच्चों के लिए अनुपयुक्त हो जाता है। पेगु ने कहा कि दिशानिर्देशों में यह निर्धारित किया गया है कि वर्दी में कम से कम 30 प्रतिशत कपास होना चाहिए। निर्धारित मानक से नीचे की वर्दी की आपूर्ति करने वाले निर्माताओं को ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि कपास की मात्रा बढ़ाने से लागत में काफी वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि पॉलिएस्टर की मात्रा जितनी कम की जाएगी, लागत उतनी ही अधिक होगी। वर्तमान में हम 600 रुपए में दो जोड़ी यूनिफॉर्म उपलब्ध करा रहे हैं। पॉलिएस्टर की मात्रा कम करने के लिए अधिक बजट की आवश्यकता होगी, और इसके लिए मुझे वित्त मंत्री से बात करनी होगी।

पोटका में ब्रेन मलेरिया ...

ब्रेन मलेरिया की पुष्टि हुई। इनमें से सात मरीजों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल और सदर अस्पताल, जमशेदपुर रेफर किया गया। इसके अलावा गोमियासाई की अमीषा भूमिज (12) और सेरेंगडीह के भीम सरदार (17) भी संक्रमित पाए गए, जिनका इलाज हाता स्थित तारा सेवा सदन में चल रहा है। इस प्रकार शनिवार को कुल 16 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बीमारी का सबसे अधिक असर बच्चों और किशोरों पर देखा जा रहा है। संक्रमितों में कई स्कूली छात्र-छात्राएं और छोटे बच्चे शामिल हैं, जिससे प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की चिंता बढ़ गई है। इसी बीच कोंडोर गांव की सुबोला सरदार की ब्रेन मलेरिया से मौत हो गई। उनकी एक वर्षीय बहन खुशबू सरदार भी इसी बीमारी से संक्रमित है और तारा सेवा सदन में भर्ती है। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतका के पिता महावीर सरदार ने बताया कि शुरुआत में बच्ची का उपचार एक झोलाछाप चिकित्सक से कराया गया था। बाद में हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि उनकी छोटी बेटी खुशबू का इलाज जारी है। सीएचसी पोटका की प्रभारी डॉ. रजनी महाकुड़ ने बताया कि अब तक ब्रेन मलेरिया से तीन बच्चों की मौत हुई है। मृतकों में कस्तूरबा विद्यालय की छात्रा लखी सरदार, दौड़डोडिया गांव के राहुल सरदार और कोंडोर गांव की सुबोला सरदार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में घर-घर जाकर लोगों की जांच कर रही हैं और मलेरिया से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। शनिवार को जिला मलेरिया पदाधिकारी मृत्युंजय धावड़िया, पोटका के प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार मुंडा तथा अंचल अधिकारी निकिता बाला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्रभावित गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्वास्थ्यकर्मियों को उपचार और रोकथाम के कार्यों में तेजी लाने तथा प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिन मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, उनमें सबरनगर, सेरेंगडीह, चांदपुर, मोहनाडीह, पोड़ा तेतला, पोटका, धाड़कीदिह, पीटीडीरी, कस्तूरबा विद्यालय और गोमियासाई के बच्चे एवं अन्य लोग शामिल हैं। सभी संक्रमितों का उपचार प्रोटोकॉल के अनुसार किया जा रहा है। हाता स्थित तारा सेवा सदन के डॉ. ए.के. लाल ने बताया कि खुशबू सरदार की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। उन्होंने लोगों से मच्छरदानी का नियमित उपयोग करने, घर और आसपास जलजमाव नहीं होने देने, शाम के समय दरवाजे-खिड़कियां बंद रखने तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों पर कीटनाशक का छिड़काव कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और उपचार से ब्रेन मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से होने वाले जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, कमजोरी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई देने पर बिना देरी किए निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। विभाग ने झोलाछाप चिकित्सकों से इलाज कराने से बचने और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह भी दी है।

194 साल के कछुए ...

दुनिया का सबसे उम्रदराज जीवित जमीनी जानवर माना जाता है। दोनों नेताओं ने गार्डन परिसर में एक यादगार पौधा भी लगाया और वहां के कर्मचारियों से बातचीत की, जिन्होंने मेहमानों को गार्डन के खास पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री शनिवार दोपहर इस द्वीपीय देश की तीन दिन की यात्रा पर राजधानी पहुंचे। दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए, पीएम मोदी देश के *नेशनल डे* के गोल्डन जुबली समारोह में *गेस्ट ऑफ ऑनर* (मुख्य अतिथि) होंगे। यह समारोह 1976 में यूनाइटेड किंगडम से सेशेल्स की आजादी के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। दोनों लोकतंत्रों के बीच गहरे राजनयिक संबंधों को दिखाते हुए, राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने कई बड़े कैबिनेट मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत रूप से स्वागत किया। स्वागत समारोह में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिनमें गुजरात के कच्छ इलाके का पारंपरिक नृत्य भी शामिल था। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अद्भुत सांस्कृतिक जुड़ाव! सेशेल्स में हवाई अड्डे पर हुए स्वागत में कच्छ का नृत्य भी शामिल था। जिस तरह से हमारे प्रवासी लोगों ने भारत के अलग-अलग हिस्सों की संस्कृति को संजोकर रखा है और उसे मनाया है, वह तारीफ के काबिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस उत्साहपूर्ण स्वागत की झलकियां भी एक्स पर शेयर कीं और भारतीय प्रवासियों के अपार स्नेह और गर्मजोशी के लिए उनका आभार व्यक्त किया। हवाई अड्डे पर उतरते ही हुए आधिकारिक स्वागत का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा को लेकर उम्मीद जताई और एक्स पर लिखा कि सेशेल्स पहुंच गया हूं। डॉ. पैट्रिक हर्मिनी द्वारा हवाई अड्डे पर किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत की मैं दिल से सराहना करता हूं। सेशेल्स हिंद महासागर में एक अहम समुद्री साझेदार और करीबी दोस्त है। मैं इस यात्रा को लेकर उत्साहित हूं, जिसका मकसद हमारे पुराने संबंधों को और मजबूत करना और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिए सहयोग बढ़ाना है।

पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर ...

रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से इस मामले पर आधिकारिक रूप से कोई बयान सामने नहीं आया है। वहीं, सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें सीमा पर खड़े ट्रकों को दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इन वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है। इस बीच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के *प्रधानमंत्री* फैसल मुमताज राठौर ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के साथ सार्वजनिक रूप से जुबानी जंग छेड़ दी है। खबरों के मुताबिक, दावा किया जा रहा है कि फैसल मुमताज ने आसिफ की उन टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है, जिनमें उन्होंने कश्मीर के कुछ हिस्सों के निवासियों की कश्मीरी पहचान पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को इस्लामाबाद से *मान्यता* की जरूरत नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में फैसल मुमताज ने ख्वाजा आसिफ पर पाक अधिकृत कश्मीर के रावलकोट और मीरपुर के निवासियों को *ओरिजिनल कश्मीरी नहीं* बताकर विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया है। हालांकि ख्वाजा आसिफ के हवाले से सामने आई इन टिप्पणियों की पुष्टि नहीं हो सकी है।

भायखला में मुहर्रम ...

और उल्टी होने लगी। प्रभावित लोगों ने रात में पुलिस से शिकायत की। गोलियां बांटने वाले व्यक्ति पर शक होने के बाद, भायखला पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। आरोपित के मोबाइल नंबर और दूसरी टेक्निकल जानकारी (टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन) के आधार पर पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से करीब 14,000 तैयार गोलियां और करीब 50 किलोग्राम चूहे मारने की दवा मिली। मुंबई पुलिस की समय पर कार्रवाई से एक बड़ी मुसीबत टल गई है। अगर ये 14,000 गोलियां लोगों में बांटी जातीं और कई लोग इन्हें खा लेते, तो सैकड़ों नागरिकों की जान खतरे में पड़ सकती थी। इस व्यक्ति ने इतनी बड़ी संख्या में जहर की गोलियां क्यों बनाईं ? इसके पीछे उसका असली इरादा क्या था ? पुलिस इन सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। शुरुआती जांच में यह भी देखा जा रहा है कि क्या यह घटना इंटरनेशनल लेवल पर होने वाले *लोन वुल्फ अटैक* (जिसमें एक अकेला व्यक्ति बिना किसी की मदद के आम नागरिकों को टारगेट करता है और बड़ा हमला करता है) जैसी है। पुलिस सभी एजेंसियों की मदद से जांच कर रही है ताकि पता चल सके कि इस मामले में कोई टेररिस्ट लिंक तो नहीं है। इस मामले में गिरफ्तार 39 साल के आरोपित की पहचान पुणे के विमाननगर इलाके के रहने वाले फैयाज प्रेमजी के रूप में हुई है। जांच के दौरान जब पुलिस ने आरोपित के घर की तलाशी ली, तो उन्हें 14,900 से ज्यादा तैयार कैप्सूल और 50 किलोग्राम जिंक फॉस्फाइड (चूहों को मारने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक बहुत जहरीला केमिकल) मिला, जिसे नागरिकों को बहुत नुकसान पहुंचाने के इरादे से ऑनलाइन ऑर्डर किया गया था। आरोपी ने चौंकाने वाला कबूलनामा किया है कि उसने हर कैप्सूल में 1-1 ग्राम जिंक फॉस्फाइड मिलाकर ये जहरीली गोलियां बनाई थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि यह आरोपित इससे पहले 2025 में ईरान और इराक गया था। मुंबई पुलिस इस घटना के पीछे के असली मकसद का पता लगाने और यह पता लगाने के लिए कि इसका कोई इंटरनेशनल या टेररिस्ट कनेक्शन है या नहीं, पूरी गंभीरता से आगे की जांच कर रही है।

राज्य में कांग्रेस लड़खड़ाई, जनता से दूर हुई : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस की असम इकाई, जिसे अब एक ऐसी पार्टी के तौर पर देखा जा रहा है जो सिर्फ कुछ खास चुनावी क्षेत्रों तक ही सीमित है, वह अब अंदरूनी कलह और गुटबाजी के गंभीर संकट में फंसी हुई है। डूबते हुए जहाज जैसी हालत में पहुंच चुकी गौरव गोगोई के नेतृत्व वाली असम कांग्रेस राजनीतिक रूप से इतनी अलग-थलग पड़ गई है कि वह न सिर्फ असम की जनता से दूर हो गई है, बल्कि अपने ही पार्टी कार्यकर्ताओं से भी कटती जा रही है। यह बातें शनिवार को असम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता मानस सरनिया ने कही। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान में सरनिया ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जो पार्टी असम के मूल समुदायों से मीलों दूर हो गई है, उसने आम नागरिकों की उम्मीदों, चिंताओं और भावनाओं को समझने की क्षमता भी खो दी है। उनके अनुसार, लगातार गुटबाजी, वर्चस्व की

बेलगाम लड़ाई, व्यक्ति-केंद्रित सत्ता की राजनीति और लगातार अंदरूनी कलह ने असम कांग्रेस को राज्य की सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकताओं से पूरी तरह अलग कर दिया है। सरनिया ने कहा कि यह तथ्य है कि कांग्रेस हाई कमान को पार्टी के अंदरूनी विवादों को सुलझाने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों को भेजना पड़ा, खुद ही असम कांग्रेस में फैली अराजकता, संगठनात्मक अव्यवस्था और नेतृत्व की कमी को उजागर करता है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि गौरव गोगोई, जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान खुद को मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे के तौर पर पेश किया था, अब ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी ही पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का भरोसा खो दिया है। अल्गापुर-काटलीचेरा के विधायक और असम प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जुबैर अनाम से जुड़े टकराव को सुलझाने के लिए हाई कमान का दखल, गौरव गोगोई के नेतृत्व को लेकर कांग्रेस नेतृत्व के बढ़ते अविश्वास और असंतोष को साफ तौर पर दिखाता है। अपने बयान के आखिर में, सरनिया ने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी के आदर्शों को छोड़कर और नकारात्मकता, अनुशासनहीनता और संगठनात्मक अराजकता की संस्कृति को अपनाकर, असम कांग्रेस ने खुद को राजनीतिक रूप से पंगु बना लिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी अब एक तरह से *इंटेंसिव केयर यूनिट* (आईसीयू) जैसी स्थिति में है और असम की जनता के सामने एक भरोसेमंद विकल्प पेश करने के बजाय, बस अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है।

हैलाकांदी बाइपास पर ट्रक ऑटो की आमने-सामने टक्कर एक की मौत, तीन गंभीर

हैलाकांदी (हिंस)। असम के हैलाकांदी बाइपास पर शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में ट्रक और ऑटोरिक्शा की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक ने बाइपास पर जा रहे ऑटोरिक्शा को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार एक यात्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तीन अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका आपातकालीन उपचार जारी है। अंतिम सूचना मिलने तक मृतक और घायलों की पहचान आधिकारिक रूप से जारी नहीं की गई थी। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया है या नहीं, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हैलाकांदी जिले में हाल के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि चिंता का विषय बनी हुई है।

वशिष्ठ पुलिस के हत्थे चढ़ा कुख्यात चोर, चोरी का सोना खरीदने वाला भी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात चोर जियाउर रहमान उर्फ केले को हाथीगांव इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 20 जून को नालापारा स्थित एक घर में उस समय चोरी की थी, जब घर में कोई मौजूद नहीं था। वह घर से सोने-चांदी के आभूषणों के साथ नकदी लेकर फरार हो गया था। उसके कब्जे से चोरी का एक स्कूटर और घरों से चुराया गया अन्य सामान बरामद किया गया है। जांच में सामने आया कि बरामद स्कूटर को भी 4 जून को बेलतला के त्रिनयन नगर क्षेत्र से चोरी किया गया था। आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने चोरी का सामान खरीदने के आरोप में हाथीगांव के नटबमा निवासी बहारुल इस्लाम को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने बहारुल इस्लाम के घर पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चोरी का गलाया हुआ सोना बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि जियाउर रहमान उर्फ केले लंबे समय से गुवाहाटी में चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर लोगों में दहशत का माहौल बना रहा था। मामले की आगे की जांच जारी है।

पूसीरे ने लामडिंग रेलवे स्टेशन के आर्किटेक्चरल अग्रभाग को लाइटिंग से जगमग किया

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने और रेल अवसंरचना को आधुनिक बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने लामडिंग रेलवे स्टेशन के आर्किटेक्चरल अग्रभाग को लाइटिंग से जगमग किया है। इससे स्टेशन एक आकर्षक लैंडमार्क बन गया है और रात के समय इसकी दृश्यता एवं वातावरण में परिवर्तन हुआ है। इस परियोजना में एनर्जी-एफिशिएंट आरजीबी एलईडी फसाड लाइटिंग फिक्स्चर लगाए गए हैं, जिनमें प्रोग्रामेबल लाइटिंग इफेक्ट्स हैं। ये स्टेशन के सामने के हिस्से, गुंबदों, खंभों और अन्य आर्किटेक्चरल हिस्सों पर एक जैसी रोशनी प्रदान करते हैं। हर मौसम के अनुकूल विश्वसनीय कामकाज सुनिश्चित करने के लिए मौसम-रोधी आउटडोर फिटिंग्स और केबलिंग की सुविधा भी दी गई है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि नया प्रकाश-सज्जा प्रणाली न केवल स्टेशन की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि दीर्घकालीन एलईडी तकनीक का इस्तेमाल करके टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल अवसंरचना को भी बढ़ावा देता है। इससे मेंटेनेंस की कम आवश्यकता पड़ती है और अच्छी रोशनी मिलती है। आकर्षक रोशनी से जगमगाने के साथ, लामडिंग जंक्शन पूसीरे के एक खास लैंडमार्क के रूप में उभरा है। यह पूसीरे की विश्व-स्तरीय अवसंरचना प्रदान करने और यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रोशनी से जगमगाते लामडिंग जंक्शन को एक अलग पहचान मिली है, जिससे यात्रा का अनुभव बेहतर हुआ है और साथ ही पर्यावरण के अनुकूल एवं यात्री-केंद्रित अवसंरचना को बढ़ावा मिला है। ऐसी पहलों के जरिए, पूसीरे इस क्षेत्र में विश्व-स्तरीय रेल सुविधाएं विकसित करने और यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने को प्रतिबद्ध है।

असम में दुर्लभ एवं संरक्षित पक्षी हॉर्नबिल के शिकार मामले में तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम के वन विभाग ने दुर्लभ एवं संरक्षित पक्षी हॉर्नबिल के शिकार से जुड़े मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वन्यजीव संरक्षण की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीगबोई वन प्रभाग के अंतर्गत मार्घेरिटा ईस्ट रेंज क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से संरक्षित पक्षी हॉर्नबिल के शिकार में संलिप्त थे। वन विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उन्हें धर दबोचा। राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने इस त्वरित कार्रवाई के लिए दिगबोई वन प्रभाग की टीम की सराहना करते हुए कहा कि असम सरकार वन्यजीवों और जंगलों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी अपराधी के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर काम कर रही है। वन विभाग ने तीनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस गिरोह के संबंध किसी अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क से तो नहीं हैं।

सतिया थाना स्तर पर नागरिक समिति की बैठक संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। आज सतिया थाना स्तर पर नागरिक समिति की त्रैमासिक सभा सतिया लोक निर्माण विभाग के सभा कक्ष में संपन्न हुआ। सतिया थाना स्तर नागरिक समिति के अध्यक्ष भव सैकिकिया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में समिति के सचिव व सतिया थाना के प्रभारी प्रांजल नाथ द्वारा सतिया अंचल में विगत तीन महीनों में की गई जागरूकता सभा की जानकारी अवगत कराई गई और साथ विभिन्न आपराधिक मामलों के बारे में भी अवगत कराया गया। उक्त सभा में नदुवार राजस्व चक्र अधिकारी देवानंद नाथ, महकुमा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नृपेन सैकिया सतिया विकाश खंड के सहायक अधिकारी तारा प्रसाद नेवार सहित प्रवीण शर्मा, अपूर्व शइकिया, विवेक दुवरा अंजन बासकोटा उपस्थित थे।

2.4 करोड़ की याबा टैबलेट जब्त, श्रीभूमि पुलिस ने एक तस्कर को दबोचा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में जारी असम अगेंस्ट ड्रग्स अभियान के तहत श्रीभूमि पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 2.4 करोड़ रुपए मूल्य की याबा टैबलेट की खेप जब्त की है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री के अनुसार, शनिवार तड़के खुफिया सूचना के आधार पर श्रीभूमि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की इस बड़ी खेप को पकड़ लिया। अभियान के दौरान एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया, जो कथित तौर पर इस अवैध कारोबार में शामिल था। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई राज्य में सक्रिय नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क पर एक और बड़ा प्रहार है। पुलिस की सतर्कता, खुफिया सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई और लगातार चलाए जा रहे अभियान के कारण मादक पदार्थों के खिलाफ असम सरकार की मुहिम को लगातार सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री ने इस सफल अभियान के लिए श्रीभूमि पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार नशा तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रखेगी।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में ब्रह्मपुत्र के बाढ़ का पानी दाखिल, वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

काजीरंगा (हिंस)। इस वर्ष की पहली बाढ़ ने काजीरंगा नेशनल पार्क को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। ब्रह्मपुत्र नदी के बढ़ते जलस्तर के चलते नदी का पानी उद्यान में प्रवेश कर गया है, जिससे वन्यजीवों की सुरक्षा और संभावित बाढ़ की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है। ब्रह्मपुत्र से जुड़े प्राकृतिक नालों के माध्यम से आया बाढ़ का पानी उद्यान के बीलों (झील) और अन्य जलाशयों में भर गया है। जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण आने वाले समय में बाढ़ की स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। संभावित आपदा से निपटने के लिए उद्यान प्रशासन ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। उद्यान के डीएफओ अरुण विग्नेश ने बताया कि वन शिविरों, हाथी नौकाओं, सैनिटाइजेशन व्यवस्था तथा स्वास्थ्य शिविरों की तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि आवश्यक स्थानों पर बैरिकेड तैयार रखे गए हैं। साथ ही वन्यजीवों की गतिविधियों पर निगरानी और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए छह स्थानों पर लगाए गए सेंसर कैमरों को भी सक्रिय कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि बाढ़ के दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा और त्वरित बचाव के लिए सभी आवश्यक इंतजाम कर लिए गए हैं।

चोरी के आरोप में तीन चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी मामले में शामिल तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान चोरी के आरोपी तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चोरों की पहचान निपू फाग्सू (27, पाटरकूची), सुमन बसूमतारी (24, उदालगुरी) और मोहम्मद मोहिबुल हक (22, फकीरगंज) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के पास से एक चोरी की एचसीएल लैपटॉप और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

योगीघोपा सड़क दुर्घटना में एक की मौत और दो घायल

बंगाईगांव (हिंस)। जिले के योगीघोपा में हुए भयावह सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस योगीघोपा पुलिस ने शनिवार को बताया है कि चार पहिया वाहन और ई-रिक्शा में हुई टक्कर के चलते यह हादसा हुआ। यह भयावह दुर्घटना योगीघोपा के फोरलेन राष्ट्रीय हाइवे के करेया पहाड़ के पास हुआ। मृतक व्यक्ति की पहचान ई-रिक्शा चालक कबाइटारी प्रथम खंड गांव निवासी उमर अली के रूप में हुई है। वहीं घायलों में अतोवार रहमान और अंबिया खातून शामिल हैं हैं। घायलों को तुरंत चलंतापारा सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। दुर्घटनाग्रस्त चार पहिया वाहन (एएस-01जीएस-7826) और ई-रिक्शा (एएस-19ईआर-2916) को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने बताया है कि चार पहिया वाहन बंगाईगांव से ग्वालपारा की ओर जा रहा था।

बाढ़ और कटाव प्रभावितों के लिए एमसीएलए धनेश्वर गोयारी ने बांटी राहत सामग्री

कोकराझाड़ (विभास)। जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए, माननीय एमसीएलए धनेश्वर गोयारी ने हाल ही में कटाव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। नदी के बढ़ते कटाव को देखते हुए श्री गोयारी ने इसे गंभीरता से लिया है। उन्होंने कटाव को रोकने के लिए *जियो बैग्स* का वितरण शुरू करवाया, ताकि तत्काल सुरक्षा कवच तैयार किया जा सके। इसके साथ ही, प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई, ताकि वे इस कठिन घड़ी में अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें। अपने संबोधन में श्री गोयारी ने कहा कि नेतृत्व केवल बातों से नहीं, बल्कि कार्यों से सिद्ध होता है। संकट की इस घड़ी में उन्होंने जनता के साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनता के आपसी सहयोग से ही प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने श्री गोयारी की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। लोगों का कहना है कि नेता की मौके पर उपस्थिति और तत्काल राहत वितरण से उन्हें बड़ी राहत मिली है। इस दौरान श्री गोयारी ने संबंधित अधिकारियों को भविष्य में भी स्थिति पर नजर रखने और नुकसान को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

शिवसागर में 44 मवेशी समेत चार तस्कर गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिला पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर 44 मवेशी समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि तिनसुकिया से नगांव की ओर जा रहे एक ट्रक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक के अंदर 44 पशुओं को बरामद किया गया। पशुओं को अवैध तरीके से तिनसुकिया से नगांव होते हुए मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में ट्रक के चालक, खलासी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चारों आरोपियों में से ट्रक का चालक और खलासी के अलावा तस्कर अमर डेका और विजय दलोई शामिल है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चारों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बाद भी अवैध तरीके से पशुओं की तस्करी जारी है।

कोकराझाड़ : कुएं में फंसी बकरी को बचाने उतरे दो युवक, एक की मौत, दूसरा घायल

कोकराझाड़ (विभास)। असम के कोकराझाड़ जिले से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। जिले के नायकगांव पार्ट-टू में शनिवार को एक गहरी कुएं में फंसी बकरी को बचाने उतरे दो युवक हादसे का शिकार हो गए। इस घटना में एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक की पहचान नायकगांव पार्ट-वन (श्रीपुर) निवासी धिना सोरेन के पुत्र रोसेन सोरेन (22) के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक रेन्टा किस्कू (23), जो पहाड़पुर गांव के रहने वाले हैं, को इलाज के लिए कोकराझाड़ के आरएनबी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को जैसे ही बकरी कुएं में गिरी, उसे बचाने के लिए रोसेन और रेन्टा कुएं के अंदर उतरे। कुआं बहुत गहरा था, जिसके कारण वे अंदर फंस गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन को सूचित किया। सूचना मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को बाहर निकाला। दुर्भाग्यवश, तब तक रोसेन सोरेन की मौत हो चुकी थी। घायल रेन्टा किस्कू को तुरंत अस्पताल पहुंचाया

गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को सहायता प्रदान करने की मांग की है।

रंगिया : विधायक भवेश कलिता ने *पीएम श्री गांवे गांवे योग महा अभियान* प्रशिक्षण कार्यक्रम का लिया जायजा

रंगिया (विभास)। रंगिया के विधायक भवेश कलिता ने आज स्थानीय *स्वस्ति आश्रम केंद्र* में चल रहे योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का दौरा किया। यह कार्यक्रम असम के महामहिम राज्यपाल की एक विशेष पहल *पीएम श्री गांवे गांवे योग महा अभियान* के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में योग को बढ़ावा देना और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक करना है। उनके इस दौरे के दौरान विधायक ने प्रशिक्षण ले रहे प्रतिभागियों से बातचीत की। उन्होंने इस कार्यक्रम की सराहना की और एक स्वस्थ व अनुशासित जीवन शैली जीने में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और स्थानीय समुदाय के सक्रिय सहयोग से माननीय राज्यपाल की इस अनूठी पहल के लक्ष्यों को पूरी तरह से हासिल किया जा सकेगा। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक भवेश कलिता ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से योग के लाभ हर गांव-गांव और हर घर-घर तक पहुंचेंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोग एक बेहतर और स्वस्थ जीवन शैली अपना सकेंगे।

विश्व एमएसएमई दिवस पर मेटा ने पूर्वोत्तर भारत के उद्यमियों की प्रेरणादायक और उभरती हुई उद्यमशीलता भावना को किया उजागर

गुवाहाटी। विश्व एमएसएमई दिवस पर आज मेटा ने गुवाहाटी में पूर्वोत्तर भारत के छोटे कारोबारियों के लिए एक खास कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उनकी सफलता की कहानियों को सामने लाना और उनके कारोबार को आगे बढ़ाने के नए अवसर उपलब्ध कराना था। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के अलग-अलग राज्यों से करीब 350 छोटे कारोबारियों ने हिस्सा लिया, जो इस क्षेत्र की उद्यमिता की मजबूत भावना को दर्शाता है। भारत में मेटा के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले 92 प्रतिशत से ज्यादा कारोबार एमएसएमई हैं। हर दिन छोटे कारोबारी फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मदद से नए ग्राहकों तक पहुंचते हैं, अपने कारोबार की पहचान बनाते हैं और अपनी कमाई बढ़ाते हैं। यह सब वे कम संसाधनों और छोटी टीम के साथ भी कर रहे हैं। छोटे कारोबार भारत की तरक्की की मजबूत नींव हैं। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर भारत के उद्यमियों ने बताया कि वे अपने कारोबार को कैसे बढ़ा रहे हैं, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं और अपने समुदाय में नए बदलाव ला रहे हैं। इसमें स्थानीय ब्रांड, कारीगर, दुकानदार और कंटेंट क्रिएटर्स शामिल थे। उनकी सफलता की कहानियां पूर्वोत्तर भारत के बढ़ते कारोबारी उत्साह को दिखाती हैं। पहले इन कारोबारों की पहुंच सीमित थी, लेकिन अब डिजिटल टेक्नोलॉजी और मेटा के विज्ञापनों की मदद से ये पूरे भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों तक भी अपने ग्राहकों तक पहुंच बना रहे हैं। एआई से चलने वाले टूल्स अब छोटे-बड़े सभी कारोबारों के लिए विज्ञापन बनाना पहले से कहीं आसान बना रहे हैं। ये टूल्स तेजी से नए विज्ञापन तैयार करने, बेहतर नतीजे पाने और आकर्षक तस्वीरें व कंटेंट बनाने में मदद करते हैं। मेटा के एडवांटेज+ सूट और जेनरेटिव एआई जैसे टूल्स की मदद से अब हर आकार के कारोबार आसानी से बेहतर मार्केटिंग कर सकते हैं। वूला टी के संस्थापक उपमन्यु बोरकाकोटी ने कहा कि हम पिछले 4 वर्षों से मेटा एड चला रहे हैं। एआई-पॉवर्ड एडवांटेज + शॉपिंग अभियान एक गेम चेंजर रहा है। एडवांटेज + शॉपिंग अभियान ने 6 महीनों के अंदर ही हमारे ऑर्डर को 600 प्रतिशत से अधिक बढ़ा दिया। मैं उत्तर-पूर्व के एसएमई के लिए आयोजित इस इवेंट में भाग लेकर उत्साहित हूं। मुझे आशा है कि इससे क्षेत्र के और अधिक व्यवसायों को विस्तार व सफलता के साथ एक पहचान मिलेगी। आज कई छोटे कारोबारों के लिए व्हाट्सऐप सिर्फ बात करने का माध्यम नहीं, बल्कि कारोबार बढ़ाने का एक अहम जरिया बन गया है। इसकी मदद से कारोबारी ग्राहकों से आसानी से बात करते हैं, अपने प्रोडक्ट दिखाते हैं, नए ग्राहक जोड़ते हैं और अपनी बिक्री बढ़ाते हैं। आज भारत में हर महीने 2 लाख से ज्यादा छोटे कारोबार *क्लिक-टू-व्हाट्सऐप* विज्ञापनों का इस्तेमाल करके ग्राहकों से जुड़ते हैं। कैटलॉग, क्विक रिप्लाई, लेबल और अपनी जरूरत के अनुसार मैसेज भेजने जैसी सुविधाओं की मदद से कारोबार ग्राहक को जल्दी और बेहतर सेवा दे पा रहे हैं। इससे उनका काम आसान होता है और बिक्री बढ़ाने में भी मदद मिलती है। लिटिलबॉक्स इंडिया के संस्थापक रिमजिम डेका ने कहा कि हमने अभी तक जो बिजनेस खड़ा किया है, उसकी बुनियाद मेटा है। हमने शुरू से ही कई मेटा टूल का इस्तेमाल किया है। एडवांटेज+ हमें बड़े स्तर पर ज्यादा एफिशिएंसी के साथ काम करने और विस्तार करने में मदद करता है। हमारे ब्रांड और जिस समुदाय का कम निर्माण कर रहे हैं उसकी विंडो इंस्टाग्राम है। इंस्टाग्राम पार्टनरशिप एड चलाने के काफी अच्छे नतीजे मिले हैं। मैं उत्तर-पूर्व में मेटा की अपनी तरह की इस पहली इवेंट का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं।

संपादकीय

'भारतीय' साबित करो

क्या हम, आप और देश के करोड़ों लोग 'भारतीय' हैं? क्यों....यह सवाल क्यों उठना चाहिए? यकीनन हम 'भारतीय' हैं, लेकिन जीवन के किसी मोड़ पर आप को कहा जाए कि 'भारतीयता' साबित करो, तो आप क्या करेंगे? असमर्थ और असहाय महसूस करेंगे, क्योंकि यह बेहद पेचीदा मामला बन गया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट महज एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। यह व्यवस्था 1967 से जारी है, जब पासपोर्ट कानून बनाया गया था। सर्वोच्च अदालत भी 2006 और 2013 में दो महत्वपूर्ण फैसले सुना चुकी है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। 2013 में ही बंबई उच्च न्यायालय भी ऐसा ही फैसला सुना चुका है। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने भी उच्च न्यायालय में हलफनामा देकर स्पष्ट किया था कि पासपोर्ट नागरिकता का दस्तावेज नहीं है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया चूंकि विशेष परिस्थितियों में पासपोर्ट गैर-भारतीय को भी जारी किया जाता रहा है, लिहाजा इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सवाल है कि पासपोर्ट के कवर पर 'भारतीय गणराज्य' अंकित होता है और शेष विश्व में उस दस्तावेज का धारक 'भारतीय' माना जाता है। उसकी पहचान 'भारतीय' के तौर पर होती है। फिर पासपोर्ट नागरिकता का आधार क्यों नहीं है? 'गैर-भारतीय' के पासपोर्ट पर उसकी नागरिकता का उल्लेख किया जाता है। बहरहाल पासपोर्ट की बहस यहीं रोक देते हैं, लेकिन करीब 134 करोड़ देशवासियों के पास 'आधार कार्ड' है। 97 करोड़ से अधिक देशवासियों को 'मतदाता पहचानपत्र' जारी किए गए हैं। देश का नागरिक ही मतदाता बन सकता है, लिहाजा मतदाता पहचानपत्र परोक्ष रूप से नागरिकता की पुष्टि करता है। करोड़ों भारतीयों के पास राशन कार्ड, पैनकार्ड, भूमि स्वामित्व के दस्तावेज और जन्म प्रमाणपत्र हैं। ये तमाम दस्तावेज सरकारी हैं और सरकारी विभागों ने ही जारी किए हैं। इन्हीं के आधार पर सरकारें 81.35 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त राशन हर माह बांटती हैं। क्या विदेशियों को यह राशन बांटा जा रहा है? बहरहाल 'आधार कार्ड' की मांग सर्वाधिक है, क्योंकि यह धारक की पहचान का प्रमाणपत्र है, लेकिन सरकार इसे भी नागरिकता का आधार नहीं मानती। 'आधार कार्ड' धारक की पहचान के मायने क्या हैं? धारक का नाम, पिता/पति का नाम, जन्मतिथि, संपर्क-सूत्र और बेहद संवेदनशील बॉयोमीट्रिक डाटा इस कार्ड में निहित है। ऐसी पहचान का व्यक्ति 'भारतीय' क्यों नहीं है? आश्चर्य है...मोदी सरकार की इन व्यवस्थाओं पर..! आखिर इतने सरकारी कार्ड, दस्तावेजों का औचित्य क्या है? खत्म करो इन्हें। गंभीर और संवेदनशील सवाल है कि औसत भारतीय अपनी नागरिकता किस आधार पर साबित करे? यदि मोदी सरकार की 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन' (एनआरसी) की व्यवस्था लागू करना चाहती है और उसे मानक नागरिकता दस्तावेज की मान्यता देना चाहती है, तो स्पष्ट करे। बहानों और बेजा दलीलों की आड़ में फिर 147 करोड़ से अधिक 'भारतीयों' की नागरिकता पर सवाल उठाना न तो राष्ट्रवाद है और न ही देशहित है। एनआरसी की व्यवस्था 1952 से शुरू की गई थी, संविधान में भी प्रावधान है, लेकिन आज तक यह व्यवस्था देश भर में लागू नहीं हो सकी। राजनीतिक तौर पर एक विशेष समुदाय को डराया जरूर जाता रहा है। असम में यह प्रयोग फ्लॉप रहा। वहां मुसलमान कम और ज्यादा बंगाली हिंदू निकले। असमंजस रहा कि किसे एनआरसी की आड़ में देश के बाहर खदेड़ा जाए, लिहाजा प्रयोग वहीं बंद कर दिया गया। नागरिकता कानून भी 1955 का है, लेकिन उसमें भी 2003, 2015, 2019 और 2025 में संशोधन किए गए। तमाम संशोधन भाजपा-एनडीए की सरकार के दौरान किए गए। इसके बावजूद सरकार नागरिकता के मानक आधार तय नहीं कर पाई। दलीलें दी जाती रही हैं कि दस्तावेज फर्जी, नकली भी बनते रहे हैं। यह सरकार के लिए लानत, अक्षमता, शर्मिंदगी का मामला है कि सरकार आजादी के 79 साल के बाद भी नागरिक और घुसपैठिए में अंतर नहीं कर पाई है। जो भारतीय बीते 45 साल से मतदान करता रहा है, जन्म के बाद उम्र के 70 साल भी भारत की मिट्टी और फिजाओं में जिए हैं, उससे भी चुनाव आयोग प्रमाण मांग रहा है।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट महज एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। यह व्यवस्था 1967 से जारी है, जब पासपोर्ट कानून बनाया गया था। सर्वोच्च अदालत भी 2006 और 2013 में दो महत्वपूर्ण फैसले सुना चुकी है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं है। 2013 में ही बंबई उच्च न्यायालय भी ऐसा ही फैसला सुना चुका है। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने भी उच्च न्यायालय में हलफनामा देकर स्पष्ट किया था कि पासपोर्ट नागरिकता का दस्तावेज नहीं है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया चूंकि विशेष परिस्थितियों में पासपोर्ट गैर-भारतीय को भी जारी किया जाता रहा है, लिहाजा इसे नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सवाल है कि पासपोर्ट के कवर पर 'भारतीय गणराज्य' अंकित होता है और शेष विश्व में उस दस्तावेज का धारक 'भारतीय' माना जाता है। उसकी पहचान 'भारतीय' के तौर पर होती है। फिर पासपोर्ट नागरिकता का आधार क्यों नहीं है? 'गैर-भारतीय' के पासपोर्ट पर उसकी नागरिकता का उल्लेख किया जाता है।

संत कबीर जयंती पर विशेष

कबीरः भारतीय चेतना के महासूर्य और अमर गायक

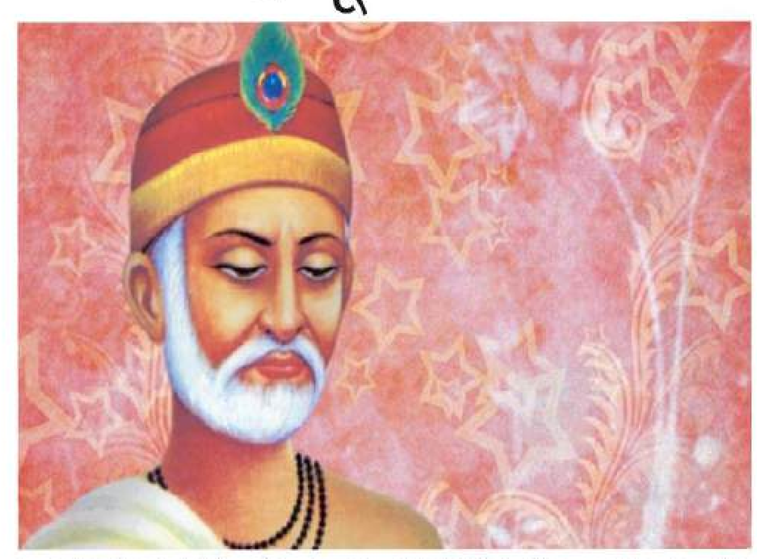

भारतीय संत परंपरा में यदि किसी एक संत ने धर्म, समाज, अध्यात्म और मानवीय चेतना को सबसे अधिक झकझोरा, तो वह नाम है- संत कबीर। वे केवल एक कवि, संत या समाज-सुधारक नहीं थे, बल्कि भारतीय आत्मा की उस जागृत चेतना के प्रतीक थे, जिसने मनुष्य को मनुष्य के रूप में देखने की दृष्टि दी। कबीर भारतीय अध्यात्म के ऐसे महासूर्य हैं, जिनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक, प्रेरक और क्रांतिकारी है, जितनी छह सौ वर्ष पूर्व थी। आज जब संसार हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्तावाद, मानसिक तनाव और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब कबीर की वाणी मानवता के लिए आशा की किरण बनकर सामने आती है। कबीर का समूचा चिंतन मनुष्य को स्वयं से जोड़ने, समाज को समरस बनाने और धर्म को आडंबरों से मुक्त कर उसके मूल स्वरूप तक पहुंचाने का प्रयत्न है। कबीर का अवतरण ऐसे समय में हुआ, जब भारतीय समाज अनेक प्रकार की रूढ़ियों, कर्मकांडों, जातीय विभाजनों और धार्मिक पाखंडों में उलझा हुआ था। एक ओर मुस्लिम शासकों की धर्मांधता थी, दूसरी ओर हिंदू समाज कर्मकांड और बाह्याचार के बोझ तले दबा हुआ था। धर्म का वास्तविक स्वरूप कहीं खो गया था। ऐसे संक्रमणकाल में कबीर ने निर्भीक स्वर में उद्घोष किया- 'पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।' कबीर ने स्पष्ट किया कि धर्म का सार ज्ञान, प्रेम, करुणा और आत्मानुभूति में है, न कि बाहरी कर्मकांडों में। उन्होंने मंदिर और मस्जिद दोनों की सीमाओं को पार करते हुए मनुष्य के भीतर स्थित परमात्मा की खोज का संदेश दिया। कबीर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अनुभव के संत थे। उन्होंने स्वयं कहा- 'मैं कहता आंखन की देखी, तू कहता कागद की लेखी।' उनकी वाणी किसी ग्रंथ, शास्त्र या परंपरा की दास नहीं थी। उन्होंने जो कहा, अपने अनुभव के आधार पर कहा। यही कारण है कि उनकी वाणी में अद्भुत प्रामाणिकता और जीवन-सत्य का तेज दिखाई देता है। कबीर निरंतर आत्म-परीक्षण के पक्षधर थे। उनका प्रसिद्ध दोहा-'बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।' आज के समय में भी उतना ही सार्थक है। वर्तमान समाज में दूसरों की आलोचना, निंदा और दोषारोपण की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। कबीर हमें आत्मनिरीक्षण और आत्मशोधन का मार्ग दिखाते हैं। संत कबीर सर्वधर्म समभाव के सशक्त प्रवक्ता थे। उन्होंने हिंदू और मुसलमान दोनों समुदायों की संकीर्णताओं की आलोचना की, लेकिन किसी धर्म का विरोध नहीं किया। उनका विरोध केवल अंधविश्वास, पाखंड और कट्टरता से था। उन्होंने कहा-'कंकर-पत्थर जोड़ के मस्जिद लई बनाय। ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, बहरा हुआ खुदाय।' और दूसरी ओर- 'पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूं पहार। ताते तो चाकी भली, पीस खाय संसार।' इन दोहों का उद्देश्य किसी धर्म विशेष की आलोचना नहीं, बल्कि मनुष्य को बाहरी आडंबरों से ऊपर उठाकर आंतरिक साधना की ओर ले जाना था। आज जब धार्मिक असहिष्णुता और सांप्रदायिक तनाव विश्व के अनेक देशों में संकट का कारण बने हुए हैं, तब कबीर का संदेश- 'अव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदे' मानवता के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। कबीर ने जाति-पांति की संकीर्णता को भारतीय समाज की बड़ी कमजोरी माना। उन्होंने सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा की स्थापना का प्रयत्न किया। उनका प्रसिद्ध दोहा- 'जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।' आज भी सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है। कबीर ने मनुष्य की पहचान उसके कर्म, ज्ञान और चरित्र से करने की बात कही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक ऊंचाई किसी जाति या वर्ग की बपौती नहीं है। एक सामान्य जुलाहा होकर भी वे भारतीय संत परंपरा के शिखर पुरुष बने। कबीर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिकता केवल जंगलों, आश्रमों और मठों तक सीमित नहीं है। उन्होंने गृहस्थ जीवन जीते हुए उच्चतम आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त कीं। उन्होंने संसार से पलायन नहीं किया, बल्कि संसार में रहकर सत्य, सादगी, श्रम, ईमानदारी और संतत्व को साधा। आज जब जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिकता बढ़ती जा रही है, तब कबीर का जीवन-संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि परिवार और समाज के बीच रहते हुए भी आध्यात्मिक जीवन जिया जा सकता है। इक्कीसवीं सदी का मनुष्य तकनीकी रूप से समृद्ध होने के बावजूद भीतर से असुरक्षित, अकेला और तनावग्रस्त है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और उपभोक्तावाद के इस युग में मनुष्य अपने भीतर की शांति खोता जा रहा है। ऐसे समय में कबीर का यह संदेश नई दिशा देता है- 'माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर। कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर।' कबीर हमें बाहरी उपलब्धियों से अधिक आंतरिक परिवर्तन का महत्व समझाते हैं। वे बताते हैं कि वास्तविक क्रांति मनुष्य के भीतर घटित होती है। पर्यावरण संकट, हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन के इस दौर में कबीर की करुणा, सह-अस्तित्व और सादगी की जीवन-दृष्टि मानव सभ्यता को नई राह दिखा सकती है। कबीर की वाणी किसी एक युग की नहीं, बल्कि समस्त मानवता की धरोहर है। उनकी साखियां, सबद, रमैनी, बीजक और उलटबांसियां आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा देती हैं। उनकी भाषा सहज, लोकजीवन से जुड़ी और अत्यंत प्रभावशाली है। कबीर स्वयं अशिक्षित माने जाते हैं, किंतु उनकी वाणी में जीवन का ऐसा गहन दर्शन है, जो बड़े-बड़े विद्वानों को भी विस्मित कर देता है। इसीलिए उन्हें 'ज्ञान का सूरज' कहा गया है। उनकी वाणी केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। वह मनुष्य को भीतर तक झकझोरती है, उसके अहंकार को तोड़ती है और उसे सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कबीर के देहावसान के समय उनके पार्थिव शरीर को लेकर हिंदू और मुसलमानों में विवाद हुआ। किंवदंती है कि जब चादर हटाई गई तो वहां शरीर के स्थान पर फूल मिले। यह घटना प्रतीक है कि कबीर किसी एक धर्म, संप्रदाय या समुदाय के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के संत थे। संत कबीर ने अपने जीवन और वाणी से यह सिद्ध किया कि मनुष्य का वास्तविक धर्म प्रेम, सत्य, करुणा और आत्मबोध है। उन्होंने समाज को नई दृष्टि, धर्म को नई दिशा और अध्यात्म को नया आयाम दिया। आज, संत कबीर जयंती के अवसर पर आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल उनके दोहों का पाठ न करें, बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सचमुच, कबीर भारतीय अध्यात्म के महासूर्य हैं, जिनकी ज्ञान-किरणें युगों-युगों तक मानवता का मार्ग आलोकित करती रहेंगी।

संत ने धर्म, समाज, अध्यात्म और मानवीय चेतना को सबसे अधिक झकझोरा, तो वह नाम है- संत कबीर। वे केवल एक कवि, संत या समाज-सुधारक नहीं थे, बल्कि भारतीय आत्मा की उस जागृत चेतना के प्रतीक थे, जिसने मनुष्य को मनुष्य के रूप में देखने की दृष्टि दी। कबीर भारतीय अध्यात्म के ऐसे महासूर्य हैं, जिनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक, प्रेरक और क्रांतिकारी है, जितनी छह सौ वर्ष पूर्व थी। आज जब संसार हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्तावाद, मानसिक तनाव और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब कबीर की वाणी मानवता के लिए आशा की किरण बनकर सामने आती है। कबीर का समूचा चिंतन मनुष्य को स्वयं से जोड़ने, समाज को समरस बनाने और धर्म को आडंबरों से मुक्त कर उसके मूल स्वरूप तक पहुंचाने का प्रयत्न है।

देश दुनीया से

तुगलकी रास्ते से सत्ता की चाहत का हश्र

डर और आतंक की राजनीति करने वाली शिवसेना घुटने पर आ चुकी है। नौबत यह आ गई है कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार की मोदी सरकार को अपनी शर्तों पर नचाने का सपना देखने वाले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का ठिकाना छिन गया है। खुद सेना के सांसदों ने ही यह कारनामा कर दिखाया है। पार्टी के पूरी तरह से छिन्न भिन्न होने से लाचार उद्धव ने अध्यक्ष पद छोडने की पेशकश कर डाली। शिवसेना (यूबीटी) गुट के 6 सांसदों ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना का दामन थाम लिया। शिवसेना यूबीटी की संख्या 9 से घटकर 3 रह गई है, जबकि शिंदे गुट की संख्या 7 से बढकर 13 हो गई है। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, जिस महाराष्ट्र में एक दौर में एकीकृत शिवसेना की तूती बोलती थी, वहां उसकी बोलती भी लगभग बंद हो जाएगी। इस हालत के लिए शिवसेना खुद जिम्मेदार है। कायदे-कानून भूल कर हर हालत में सिर्फ ताकत के बलबूते सत्ता पाने का ख्वाब देखने वाली शिवसेना यह भूल गई कि संविधान से इतर जाकर गैर लोकतांत्रिक तौर-तरीकों से सत्ता नहीं मिल सकती। देश के अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की तरह सिकुड़ती शिवसेना का इतिहास कुछ ज्यादा ही काला रहा है। देश में यदि ममता बनर्जी के बाद किसी ने संविधान और कानून कायदों को ठेंगा दिया है तो वह है शिवसेना। शिवसेना ने भी ममता की तरह अपने ही कायदे कानून चलाने में कसर बाकी नहीं रखी। शिवसेना का ख्याल आते ही, देश के आम जनमानस में महाराष्ट्र में शिवसैनिकों की छवि उभरती थी, हाथों में डंडे या हथियार लिए शिवसैनिक और माथे पर शिवसेना का कपड़ा लपेटे हुए। शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे के दौरान बनी छवि से यह जाहिर होता था कि किसी को कानून की परवाह नहीं है। कानून वही है जो शिवसेना बोल दे। किसी ने जरा भी विरोध करने का दुस्साहस किया तो उसकी खैर नहीं। महाराष्ट्र में चाहे सरकार किसी भी राजनीतिक दल की हो, शिवसेना का आतंक इतना जबरदस्त था कि किसी की हिम्मत नहीं थी कि उनकी मनमानी के खिलाफ आवाज उठा सके।

पार्टी के पूरी तरह से छिन्न भिन्न होने से लाचार उद्धव ने अध्यक्ष पद छोडने की पेशकश कर डाली। शिवसेना (यूबीटी) गुट के 6 सांसदों ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना का दामन थाम लिया। शिवसेना यूबीटी की संख्या 9 से घटकर 3 रह गई है, जबकि शिंदे गुट की संख्या 7 से बढकर 13 हो गई है। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, जिस महाराष्ट्र में एक दौर में एकीकृत शिवसेना की तूती बोलती थी, वहां उसकी बोलती भी लगभग बंद हो जाएगी। इस हालत के लिए शिवसेना खुद जिम्मेदार है। कायदे-कानून भूल कर हर हालत में सिर्फ ताकत के बलबूते सत्ता पाने का ख्वाब देखने वाली शिवसेना यह भूल गई कि संविधान से इतर जाकर गैर लोकतांत्रिक तौर-तरीकों से सत्ता नहीं मिल सकती। देश के अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की तरह सिकुड़ती शिवसेना का इतिहास कुछ ज्यादा ही काला रहा है।

बाल ठाकरे ने बाहर से आकर मुंबई बसने वाले लोगों पर कटाक्ष करते हुए महाराष्ट्र को सिर्फ मराठियों का कहकर संबोधित किया। खासतौर पर दक्षिण भारतीय लोगों के विरोध में उन्होंने कई भद्दे नारे भी दिए। शिवसेना का मुखपत्र माने जाने वाले 'सामना' समाचार पत्र में बिहार और उत्तर प्रदेश से मुंबई पलायन करने वाले लोगों को मराठियों के लिए खतरा बता, बाल ठाकरे ने महाराष्ट्र के लोगों को उनके साथ सहयोग न करने की सलाह दी। साथ ही इन दो राज्यों से मुंबई बसने वाले नेताओं और अभिनेताओं की भी बाल ठाकरे द्वारा आलोचना की गई। मोहम्मद अफजल की फांसी की सजा पर कोई फैसला न सुनाने के लिए बाल ठाकरे ने तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अबुल कलाम पर भी अभद्र टिप्पणियां की थी। वैलेंटाइन डे को हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए खतरा बता, दुकानों और होटलों में तोड़-फोड करने के अलावा प्रेमी युगलों पर हमला, उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के लिए जनता में बाल ठाकरे के खिलाफ रोष उत्पन्न हो गया। सचिन तेंदुलकर द्वारा भारत की तेजी से विकसित हो रही वाणिज्यिक राजधानी मुंबई को सभी भारतीयों का शहर बताने पर बाल ठाकरे भडक उठे और उन्होंने सांप्रदायिक आधार पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तेंदुलकर 'मराठी मानसिकता' को ठेस पहुंचा रहे हैं। ठाकरे और तेंदुलकर, जो मूल रूप से मराठी थे, के बीच हुई इस तीखी बहस ने राष्ट्रीय स्तर पर काफी सुर्खियां बटोरीं। शिवसेना का ताज नहीं मिलने पर अलग हुए भतीजे राज ठाकरे ने भी बाल ठाकरे के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश की, किन्तु दाल नहीं गली। संसद सदस्य जया बच्चन भी अपनी कथित 'मराठी-विरोधी' टिप्पणियों के कारण राष्ट्रीय विवाद में फंस गईं। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र राज्य और वहां के लोगों का राष्ट्रीय भाषा की आड़ में अपमान करने के लिए जया बच्चन से सार्वजनिक माफी मांगने का आह्वान किया। डर के मारे बच्चन और उनके पति, अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सार्वजनिक माफी जारी करते हुए कहा कि वे हिंदी में इसलिए बोले क्योंकि वे उत्तर प्रदेश (उत्तर भारत) से आए थे। मुंबई या महाराष्ट्र में जिसे रहना है और कारोबार चलाना है, उसे शिवसेना की सारी शर्तों पूरी करनी होती थी। शिवसेना के आगे सिर झुकाने वालों में बॉलीवुड के फिल्मी सितारे, उद्योगपति, क्रिकेटर सहित तमाम दिग्गज हस्तियां शामिल थीं। मीडिया भी शिवसेना के बारे में खबर छापने या टीवी पर दिखाने से पहले कई बार सोचता था। यह सब शिवसैनिकों का खौफ था। देश के दूसरे किसी राज्य में ऐसा तांडव किसी राजनीतिक दल का कभी देखने को नहीं मिला, जैसा शिवसेना ने महाराष्ट्र में दिखाया था। कई दशकों तक शिवसेना की दहशत की यह छाप बनी रही। बाला साहेब के बाद उनके बेटे उद्धव ठाकरे और गद्दी नहीं मिलने के कारण शिवसेना छोड़ कर अलग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बनाने वाले भतीजे राज ठाकरे ने भी इसी नक्शे कदम पर चलने की कोशिश की। सत्ता नहीं मिलने पर राज ठाकरे की पार्टी मनसे ने मवालियों वाला तरीका अपनाया और इसको नाम दिया मराठी मानुष और मराठी अस्मिता का। राजनीति चमकाने के लिए मनसे ने भाषा और संस्कृति को मुद्दा बना कर गैरकानूनी हरकतें करने में कसर बाकी नहीं रखी।

कुछ अलग

अब मैं ही अध्यक्ष हूं...

अब लोकतंत्र में नया फंडा लागू हो गया है। जिस भी पार्टी में लफड़ा खड़ा हो गया है और पार्टी में बगावत की स्थिति बन गई है, उस पार्टी को अब निश्चिंत हो जाना चाहिए। अब कोई माई का लाल उस पार्टी के अस्तित्व को नकार नहीं सकता। लोकतंत्र का फंडा यह हो गया है कि आप आराम से अपना अध्यक्ष बदल सकते हैं। उस अध्यक्ष को भी बदल सकते हैं, जिसने पार्टी खड़ी की थी। आप पार्टी के सिंबल पर भी अपना अधिकार जता सकते हैं। लेकिन यह तभी मुमकिन होगा जब आंतरिक संकट से जूझ रही कोई भी पार्टी मुझे अपना अध्यक्ष बना लेगी। देखिए भाई और बहनों, मैं तो सिर्फ अध्यक्ष बनने के लिए दुनिया में आया हूं। पार्टी चाहे क्षेत्रीय हो या गली मोहल्ले की, मुझे हर पार्टी का अध्यक्ष बनना स्वीकार्य है। वैसे भी मेरे पास कोई काम नहीं है। अलग-अलग दलों के हाइकमान के चक्कर काटते मेरे जूते घिस चुके हैं। अब मैं शॉर्टकट का रास्ता अपनाना चाहता हूं। इसलिए शॉर्टकट यही है कि किसी भी पार्टी के अध्यक्ष पद पर कब्जा कर लिया जाए और फिर सत्ता का आनंद लिया जाए या विपक्ष में बैठने का आनंद लिया जाए। यह शॉर्टकट हिंदुस्तान के किसी भी राज्य में मैं अपने पर लागू कर सकता हूं। आखिर अध्यक्ष बनने में बुराई ही क्या है? हमारे देश में योग्यता की सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि आदमी कितनी जल्दी अध्यक्ष बन सकता है। मंत्री बनना कठिन है, विधायक बनना उससे भी कठिन है, लेकिन अध्यक्ष बनना अब लोकतंत्र का सबसे सुलभ रोजगार है। पहले लोग नौकरी ढूंढते थे, अब अध्यक्षी ढूंढते हैं। मेरी योजना बहुत स्पष्ट है। मैं एक साथ कई पार्टियों का अध्यक्ष बनना चाहता हूं।

आप का नजरीया

तो शिक्षा बोर्ड भी होगा अव्वल

हिमाचली शिक्षा में गुणवत्ता की तलाशी के कारण, सरकार ने डेढ़ सौ स्कूलों पर सीबीएसई के प्रवेश द्वार स्थापित कर दिए हैं। सीबीएसई स्कूलों में परिवर्तित होता पाठ्यक्रम दरअसल नए वातावरण को खुशामदीद कर रहा है। हालांकि इस प्रयोग के पक्ष में जनता, छात्र और अध्यापक भी दिखाई देते हैं, लेकिन प्रायोगिक तौर पर इन्हें कम संख्या में चलाते तो इसका अति सुधरा व सुदृढ़ पक्ष सामने आता। बहरहाल, छात्रों के जीवन में हिमाचल ने सीबीएसई का विकल्प सामने रखते हुए, परीक्षा मूल्यांकन के अलावा उनके व्यक्तित्व निखार की दृष्टि से बौद्धिक कौशल, संप्रेषणीयता तथा तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए पहल की है। विभाग सीबीएसई स्कूलों के कुछ विषयों मसलन अंग्रेजी व गणित की अतिरिक्त कोचिंग के लिए शिक्षकों की तादाद भी बढ़ा रहा है। शिक्षा के संदेश को बड़ा करने के उद्देश्य से सीबीएसई स्कूलों की नई परिपाटी में प्रासंगिक अध्ययन के कई पन्ने जोड़े जा रहे हैं। यानी कि अब शिक्षा धड़ल्ले से नहीं, बल्कि सोच समझ कर जिंदगीनामा लिखने को तैयार की जा रही है। जाहिर है इन परिवर्तनों के बीच हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड को भी अपने सफर की कहानी बदलनी होगी। हम पहले भी कह चुके हैं कि स्कूल शिक्षा बोर्ड को कुछ सरकारी स्कूलों में अपने प्रयास से मॉडल स्कूल चलाने चाहिएं। सीबीएसई पाठ्यक्रम से जो वातावरण बनने की उम्मीद है, कमोबेश उसी मापदंड में हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड भी अपने हस्तक्षेप से कुछ आदर्श स्कूल चिन्हित करके, शिक्षा को नया आयाम दे सकता है। इसके अलावा आठवीं की परीक्षा के बाद, टेलेंट परीक्षा के माध्यम से एक मैरिट के आधार पर छात्रों को नौवीं से बारहवीं तक विशेष कोचिंग के जरिए आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए धर्मशाला में बोर्ड मुख्यालय परिसर के साथ मैरिट के आधार पर नौवीं से जमा दो तक के दो से तीन हजार बच्चों की अकादमी स्तर की पढ़ाई करवाने की व्यवस्था करनी होगी। शिक्षा बोर्ड को परीक्षा से शिक्षा की प्रमुख भूमिका में आने के लिए कुछ तो उदाहरण पेश करने होंगे। शिक्षा बोर्ड अपने मैरिट के छात्रों को कुछ चर्चित निजी अकादमियों के साथ सुविधा प्रदान करवा सकता है। पूरे प्रदेश में अलग-अलग विषयों पर केंद्रित अकादमियां चलती हैं, तो बच्चे न केवल इंजीनियरिंग व मेडिकल पढ़ाई के प्रवेशद्वार खोल पाएंगे, बल्कि डिफेंस, कामर्स, लॉ, गीत-संगीत तथा उद्यमशीलता के हुनर में अपना नया शैक्षणिक सफर शुरू कर पाएंगे। इतना ही नहीं, जमा दो परीक्षाओं के बाद करियर काउंसिलिंग के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश के लिए भी स्कूल शिक्षा बोर्ड को कुछ पहल करनी चाहिए। ऐसी बहुत सारी प्रवेश परीक्षाएं साल भर होती हैं, जिनकी तैयारी के लिए विशेष कौशल, अधोसंरचना व वातावरण चाहिए। राज्य स्तर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा स्कूल शिक्षा बोर्ड को राज्य स्तरीय परीक्षा परिसर स्थापित करने चाहिएं। इन परीक्षा केंद्रों में ही बोर्ड व विश्वविद्यालय अपनी अकादमियां चला पाएंगे। हिमाचल के औद्योगिक शहरों की मांग पर एक रोजगार बाजार खड़ा हो रहा है, अतः स्कूली शिक्षा के साथ-साथ औद्योगिक रोजगार, स्वरोजगार तथा नए उभरते बाजारों की दृष्टि से तैयारी करानी होगी। स्कूल शिक्षा बोर्ड तब तक सिर्फ परीक्षा बोर्ड साबित होगा, जब तक मैरिट का हिसाब डाक्टरी व इंजीनियरिंग की पढ़ाई में पूछा जाएगा। जिस दिन स्कूल के पथ पर रोजगार के अवसर सुनिश्चित होंगे, शिक्षा बोर्ड अव्वल हो जाएगा।

सीबीएसई स्कूलों में परिवर्तित होता पाठ्यक्रम दरअसल नए वातावरण को खुशामदीद कर रहा है। हालांकि इस प्रयोग के पक्ष में जनता, छात्र और अध्यापक भी दिखाई देते हैं, लेकिन प्रायोगिक तौर पर इन्हें कम संख्या में चलाते तो इसका अति सुधरा व सुदृढ़ पक्ष सामने आता। बहरहाल, छात्रों के जीवन में हिमाचल ने सीबीएसई का विकल्प सामने रखते हुए, परीक्षा मूल्यांकन के अलावा उनके व्यक्तित्व निखार की दृष्टि से बौद्धिक कौशल, संप्रेषणीयता तथा तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए पहल की है। विभाग सीबीएसई स्कूलों के कुछ विषयों मसलन अंग्रेजी व गणित की अतिरिक्त कोचिंग के लिए शिक्षकों की तादाद भी बढ़ा रहा है। शिक्षा के संदेश को बड़ा करने के उद्देश्य से सीबीएसई स्कूलों की नई परिपाटी में प्रासंगिक अध्ययन के कई पन्ने जोड़े जा रहे हैं। यानी कि अब शिक्षा धड़ल्ले से नहीं, बल्कि सोच समझ कर जिंदगीनामा लिखने को तैयार की जा रही है। जाहिर है इन परिवर्तनों के बीच हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड को भी अपने सफर की कहानी बदलनी होगी। हम पहले भी कह चुके हैं कि स्कूल शिक्षा बोर्ड को कुछ सरकारी स्कूलों में अपने प्रयास से मॉडल स्कूल चलाने चाहिएं। सीबीएसई पाठ्यक्रम से जो वातावरण बनने की उम्मीद है, कमोबेश उसी मापदंड में हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड भी अपने हस्तक्षेप से कुछ आदर्श स्कूल चिन्हित करके, शिक्षा को नया आयाम दे सकता है। इसके अलावा आठवीं की परीक्षा के बाद, टेलेंट परीक्षा के माध्यम से एक मैरिट के आधार पर छात्रों को नौवीं से बारहवीं तक विशेष कोचिंग के जरिए आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए धर्मशाला में बोर्ड मुख्यालय परिसर के साथ मैरिट के आधार पर नौवीं से जमा दो तक के दो से तीन हजार बच्चों की अकादमी स्तर की पढ़ाई करवाने की व्यवस्था करनी होगी।

दृष्टि कोण

एनसीआरबी -अभिज्ञान" ऐप से एफआईआर से सजा तक बदल जाएगी पुलिसिंग

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में '26वें अखिल भारतीय फिंगरप्रिंट सम्मेलन 2026' का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में एक बड़े डिजिटल बदलाव का गवाह बना। गृह मंत्री ने 'एनसीआरबी -अभिज्ञान' के 4 अत्याधुनिक मोबाइल ऐप्स और प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं। ये ऐप्स पुलिसिंग को 'स्मार्ट' और जाँच को पूरी तरह 'वैज्ञानिक' बनाएँगे। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य अपराधियों को सजा दिलाना और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना है। गृह मंत्री ने 4 नई डिजिटल सुविधाएँ लॉन्च की हैं। 'एनसीआरबी -अभिज्ञान' एक मोबाइल एप्लिकेशन है। यह पुलिस को कहीं भी और कभी भी फिंगरप्रिंट स्कैन करने की ताकत देता है। पुलिसकर्मी मौके पर ही संदिग्धों के फिंगरप्रिंट नेशनल डेटाबेस से मिला सकते हैं। दूसरा है ''सीआरपीआई एप्लीकेशन''। इसमें चेहरा, आँखों की पुतली और डीएनए मैचिंग का मिलन है। यह रिपीट ऑफेंडर्स को पकड़ने के लिए सबसे सटीक टूल है। तीसरा है 'ई-फॉरेंसिक्स 2.0'। यह लैब और जाँच एजेंसियों को डिजिटल रूप से जोड़ता है। इसमें नमूनों के पंजीकरण से लेकर रिपोर्ट तक सब कुछ ऑनलाइन ट्रैक होगा। चौथा है 'ई-प्रॉसिक्यूशन 2.0'। यह पुलिस, वकीलों और अदालतों को जोड़ता है। इससे केस की फाइलिंग से लेकर सजा तक का सफर तेज होगा। ये चारों ऐप्स मिलकर एक 'इंटीग्रेटेड क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम' (आईसीजेएस) बनाते हैं। कानून प्रवर्तन जानकारी के अनुसार मोदी सरकार का लक्ष्य बहुत साफ है। एफआईआर से कन्विक्शन तक का सफर 3 साल के भीतर पूरा होना चाहिए। गृह मंत्रालय इसके लिए सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। लंबित (पेंडिंग) मामलों को कम करने के लिए एक ठोस ब्लूप्रिंट तैयार किया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि अपराधी कितना भी चतुर हो, वह विज्ञान और कानून की शक्ति से नहीं बच सकता। अब तक एनसीआरबी जैसी संस्थाएँ सिर्फ रिकॉर्ड रखने का काम करती थीं। अब

यह 'इंटेलिजेंस-ड्रिवन' संस्था में बदल रही है। गृह मंत्री ने साफ किया कि सिर्फ अपराधी को पकड़ना काफी नहीं है। अपराध को होने से पहले ही रोकना असली सफलता है। पुलिस अब 'प्रेडिक्टिव पुलिसिंग' की तरफ बढ़ रही है, यानी अपराध होने के बाद कार्रवाई करने से आगे बढ़कर, अब अपराध को होने से पहले ही रोकने की तैयारी है। गृह मंत्री के अनुसार डेटा का अंबार किसी काम का नहीं है। अगर डेटा का विश्लेषण न हो, तो वह एक अलमारी में रखे बोझ जैसा है। अब इस डेटा को 'एक्शन योग्य इंटेलिजेंस' में बदला जा रहा है। सरकार के पास 1 करोड़ 29 लाख फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड मौजूद हैं। इसके अलावा 9 लाख 91 हजार नार्को अपराधियों का डेटा है। साथ ही 3 लाख 65 हजार मानव तस्करी के मामलों का रिकॉर्ड भी उपलब्ध है। अपराध और न्याय अब एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके इन डेटाबेस को जोड़ा जा रहा है। इससे अपराध के पैटर्न को समझा जाएगा। रिपीट ऑफेंडर्स और अंतरराज्यीय अपराधी नेटवर्क को पहले ही पहचाना जा सकेगा। राज्यों को विशेष टीमें बनाने को कहा गया है। ये टीमें एआई की मदद से अपराधियों की प्रोफाइलिंग करेंगी। जानकारी के अनुसार आज देश का हर कोना तकनीक से जुड़ चुका है। देश के 17,840 पुलिस थानों में सीसीटीएनएस की पहुँच शत-प्रतिशत हो गई है। आज पुलिस के पास 37 करोड़ 68 लाख ऑनलाइन रिकॉर्ड उपलब्ध हैं। इनमें पुरानी एफआईआर का डेटा भी शामिल है। वहीं, 22,000 अदालतें ई-कोर्ट से जुड़ चुकी हैं। ई-प्रिजन में 2 करोड़ 29 लाख कैदियों का डेटा सुरक्षित है।

मोदी सरकार के 12 साल में आए क्रांतिकारी बदलाव : डॉ. अर्चना गुप्ता

गुरुग्राम महानगर पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का भव्य स्वागत

गुरुग्राम (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला मजबूत संगठन है और कार्यकर्ता ही इसकी रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार और आम जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण सेतु हैं। उनके अथक परिश्रम के कारण ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। यह बात उन्होंने शनिवार को मानेसर स्थित एचएसआईआईडीसी ऑडिटोरियम में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कही। गुरुग्राम महानगर मानेसर पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का जिला अध्यक्ष अजीत यादव, विधायक बिमला चौधरी, विधायक तेजपाल तंवर, पूर्व मंत्री संजय सिंह, राजकुमार बोहरा, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर, समय सिंह भाटी व कार्यकर्ताओं ने बड़ी पुष्पमाला और पुष्प गुच्छ देकर भव्य

एवं जोरदार स्वागत किया। विभिन्न सामाजिक संगठनों, पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं, सम्मानित सरपंचों और कार्यकर्ताओं ने डॉ. अर्चना गुप्ता का अभिनंदन किया। डॉ. गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनका नहीं, बल्कि भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान है। उन्होंने कहा कि आप सभी का यह अपार स्नेह और सम्मान ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि चुनावों में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे अधिक निर्णायक होती है। उन्होंने कहा कि जब बूथ का कार्यकर्ता अपना बूथ जीतकर संगठन की झोली में डालता है तभी भाजपा की जीत सुनिश्चित होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मेरा बूथ, सबसे मजबूत के मंत्र के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि यह 12 साल केवल सत्ता संचालन के ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में आए क्रांतिकारी बदलाव की साक्षी रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 वर्षों में मोदी सरकार ने सुशासन से समृद्धि की परिकल्पना को धरातल पर उतारा गया है और विकास का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। भाजपा जिला मानेसर अध्यक्ष अजीत यादव ने कार्यक्रम में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, विधायकों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों का स्वागत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

बयानबाजी, पोस्टरबाजी और ट्वीट के जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश में विपक्ष : डॉ. संजय निषाद

कानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने शनिवार को यहां कहा कि राम मंदिर दान प्रकरण की जांच जारी है और जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जनता ने विपक्ष को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसलिए अब वह केवल बयानबाजी, पोस्टरबाजी और ट्वीट के जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। संजय निषाद 170वें बलिदान दिवस के अवसर पर सत्तीचौरा घाट पहुंचकर 1857 के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कानपुर क्रांतिकारियों की नगरी है और यहां 167 क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। उनके त्याग और बलिदान से देशवासियों को हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी। पत्रकारों से बातचीत में डॉ. निषाद ने अयोध्या

के राम मंदिर दान प्रकरण पर कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है और जांच प्रचलित है। कानून अपना काम कर रहा है। जांच पूरी होने के बाद जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों पर बिना तथ्यों के आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के सभी सिस्टम में सभी लोग दोषी नहीं होते हैं, जो दोषी होंगे उन्हें जरूर सजा मिलेगी। जिस तरह से विगत दिनों में जांच के दौरान दोषी पाए गए लोग जेल भेजे गए हैं। आगे भी जांच जारी रहेगी। रही बात विपक्ष की तो वह कोई जांच अधिकारी नहीं है जिसके कहने पर सभी को दोषी मान लिया जाएगा। जनता ने विपक्ष को सत्ता से बाहर कर दिया है। ऐसे में वह केवल बयानबाजी, पोस्टरबाजी और ट्वीट के जरिए लोगों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में तथ्यों और जांच के आधार पर ही कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 सालों में लिए कई जनहितैषी निर्णय : डॉ. मदनलाल गोयल

जींद (हिंस)। भाजपा जिला प्रभारी डॉ. मदन लाल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कई जनहितकारी निर्णय लिए हैं। सरकार की नीतियों का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। भाजपा जिला प्रभारी डॉ. मदन लाल गोयल शनिवार को जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में 12 साल विश्वास के, जनकल्याण के विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल ने की। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता विजयपाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल आधार राष्ट्रवाद, सेवा, सुशासन और अंत्योदय की विचारधारा है। जिला अध्यक्ष तेजेंद्र सिंह ढुल ने कहा कि प्रबुद्धजन समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अनुभव, सुझाव और सकारात्मक सहभागिता से संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त होती है। उन्होंने सभी प्रबुद्धजनों से राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संगठन की विचारधारा व सरकार की जनहितकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान केंद्र सरकार के 12 वर्षों की जनकल्याणकारी उपलब्धियों, संगठन की विचारधारा, राष्ट्रहित के संकल्प विकसित भारत के लक्ष्य व आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला महामंत्री डॉ. पुष्पा तायल, सरदार जितेंद्र रोड, डॉ. ओमप्रकाश पहल, जींद नगर परिषद चेयरपर्सन डॉ. अनुराधा सैनी, साधु राम, सोहन सिंह रजाना मंडल महामंत्री, मार्केट कमेटी चेयरमैन बबलू गोयल, मदन गोयल, पुरुषोत्तम शर्मा, सुभाष शर्मा, रवि थनई, ललित मित्तल व सक्षम भाटिया मौजूद रहे।

किसान हितों को सर्वोपरि मानकर योजनाएं लागू कर रही सरकार : श्याम सिंह राणा

हांसी (हिंस)। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन तथा मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि प्राकृतिक खेती समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इससे न केवल किसानों की लागत घटेगी और आय बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण तथा आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाने का आह्वान किया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा शनिवार को हांसी में आयोजित हरियाणा कृषि यंत्र निर्माता एसोसिएशन की जनरल बॉडी बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और हरियाणा ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

चंपत राय और अनिल मिश्रा का त्यागपत्र मिला अगली बैठक में होगा विचार : श्रीराम जन्मभूमि न्यास

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम मंदिर चढ़ावे से जुड़े विवाद के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास) के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी ने बताया है कि महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा का त्यागपत्र मिला है। उन्होंने बताया कि न्यास अपनी आगामी बैठक में इस पर विचार करेगा। न्यास के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि श्रीराम मंदिर में पिछले कुछ दिनों से सुनी घटनाओं से हम स्तब्ध, आहत और अत्यंत दुखी है। समस्त रामभक्तों और रामसेवकों के प्रतिनिधि के रूप में यहां सेवा करने वाले हम इसकी न्यायपूर्ण जांच एवं रामभक्तों को आश्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। न्यास ने स्पष्ट किया है कि महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्र से त्यागपत्र प्राप्त हुआ है, जिस पर न्यास अपनी आगामी बैठक में विचार करेगा। न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि ने रामभक्तों को आश्वस्त किया है कि जिन भक्तों ने चांदी की ईंटें, आभूषण आदि प्रभु श्रीराम की सेवा में अर्पण के लिए न्यास के अधिकारियों को व्यक्तिश: सौंपी है, वे वस्तुएं सुरक्षित हिसाब सहित उपलब्ध है। उन्होंने आगे बताया कि मंदिर के दानपात्रों से प्राप्त राशि की घटना के संबंध मे न्यास के निवेदन पर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से प्राप्त अंतरिम प्रतिवेदन के आधार पर न्यास ने एफआईआर की प्रविष्टि की है

और उसपर वैधानिक कार्रवाई जारी है। हम सभी को विश्वास दिलाते हैं कि भविष्य में कोई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ना बने ऐसा सुनिश्चित करेंगे। अपराधियों को वैधानिक यथायोग्य कड़ा दंड मिलें, इसके आग्रही रहेंगे। कोषाध्यक्ष ने कहा कि कुछ असामाजिक, अधार्मिक और स्वार्थी तत्व इस पूरे विवाद की आड़ में सनातन धर्म पर लांछन लगाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर प्रसारित की जा रही भ्रामक और निराधार अफवाहों से स्वयं बचें और अन्य लोगों को भी इसका शिकार होने से बचाएं। न्यास को विश्वास है कि विवाद के ये बादल जल्द छटेंगे और सत्य का प्रकाश सबके सामने आएगा।

संपत्ति संबंधी अपराधों में 39.7 प्रतिशत की भारी गिरावट

हिसार (हिंस)। जिले में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियानों और सतर्कता के चलते संपति विरुद्ध अपराधों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 1 जनवरी से 25 जून तक संपत्ति संबंधी अपराधों में पिछले वर्ष (2025) की समान अवधि की तुलना में 39.7 प्रतिशत की ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है। तुलनात्मक आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2025 के शुरुआती छह महीनों 1 जनवरी से 25 जून में संपत्ति संबंधी अपराधों के कुल 1138 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि इस साल 2026 में यह आंकड़ा सिमट कर मात्र 686 रह गया है। इस प्रकार कुल 452 मामलों की बड़ी कमी दर्ज की गई है। पुलिस को सबसे बड़ी कामयाबी सामान्य चोरी के मामलों में मिली है, जहां पिछले साल के 425 मामलों के मुकाबले इस साल सिर्फ 190 मामले सामने आए, जो 55.3 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाता है। इसके अलावा, सेंधमारी की घटनाओं में भी 37.5 प्रतिशत की कमी आई है। इसके तहत पिछले वर्ष के 347 मामलों की तुलना में इस साल केवल 217 मामले ही दर्ज हुए।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ में नशा विरोधी जन आंदोलन का आह्वान किया

चंडीगढ़ (हिंस)। *अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस-2026* के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने चंडीगढ़ नगर निगम के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए नशे और अवैध तस्करी के खिलाफ सामूहिक जन आंदोलन चलाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि नशा आज एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है, जो समाज, जनस्वास्थ्य, सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि नशा तस्कर स्कूलों, कॉलेजों और स्थानीय समुदायों तक इस बुराई को फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। पड़ोसी राज्यों से जुड़े होने के कारण चंडीगढ़ भी अवैध तस्करी के खतरे के प्रति संवेदनशील है। कटारिया ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आने वाला हर युवा न केवल अपने परिवार के सपनों को तोड़ता है, बल्कि देश अपनी बहुमूल्य युवा शक्ति का एक हिस्सा भी खो देता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ

लड़ाई केवल कानून लागू करने वाली एजेंसियों के भरोसे नहीं जीती जा सकती, बल्कि इसके लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। राज्यपाल ने नगर निगम से प्रत्येक वार्ड में जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाने, सामुदायिक केंद्रों में काउंसलिंग सत्र आयोजित करने और स्कूलों, कॉलेजों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, महिला मंडलों, युवा क्लबों और स्वयंसेवी संगठनों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने प्रत्येक वार्ड में *नशामुक्त वार्ड समितियां* गठित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि सामुदायिक केंद्रों को योग, खेल, ध्यान, परामर्श, व्यक्तित्व विकास और कौशल संवर्धन गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, ताकि युवाओं को सकारात्मक दिशा मिल सके। राज्यपाल ने नशा तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जरूरत पर जोर देते हुए नशे की लत से जूझ रहे युवाओं के उपचार, पुनर्वास और सामाजिक पुनर्स्थापना के लिए संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की बात कही। चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि नगर निगम पार्षदों, नागरिकों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से वार्ड स्तर पर नशा विरोधी अभियान का नेतृत्व करेगा। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए निगम की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर राज्यपाल ने पार्षदों, अधिकारियों और कर्मचारियों को नशा विरोधी शपथ दिलाई। राज्यपाल ने *नशा विरोधी हस्ताक्षर बोर्ड* पर हस्ताक्षर कर नशामुक्त चंडीगढ़ के संकल्प को मजबूत किया।

ग्रामीण विकास हरियाणा सरकार की पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता : कृष्ण बेदी

जींद (हिंस)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि ग्रामीण विकास हरियाणा सरकार की पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहरों की तर्ज पर ग्रामीण अंचल का भी विकास किया जा रहा है और प्रगति का पहिया नरवाना क्षेत्र में भी तेजी से घूम रहा है। आने वाले समय में यह इलाका तरक्की का बड़ा हब बनेगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को गांव फरैण कलां में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने पंचायती राज विभाग के तहत बनने वाले ग्राम सचिवालय का शिलान्यास किया। इस ग्राम सचिवालय पर लगभग 88 लाख 25 हजार रुपए की लागत आएगी और इसके बनने से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर पंचायत संबंधी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध होगीं। साथ ही पंचायती राज विभाग द्वारा लगभग 24 लाख रुपए की लागत से निर्मित दो नई गलियों का उद्घाटन किया। कैबिनेट मंत्री द्वारा पशुपालन विभाग के अंतर्गत करीब 31 लाख रुपए की लागत से बनने वाले राजकीय पशु औषधालय का शिलान्यास भी किया गया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने

कहा कि गांवों में बेहतर सड़कें, पक्की गलियां और मजबूत आधारभूत ढांचा ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं तथा विकास की गति को तेज करते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास और विश्वास हरियाणा सरकार की कार्यशैली के चार प्रमुख स्तंभ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश के प्रत्येक गांव तक विकास की योजनाएं पहुंचाई जा रही हैं। प्रदेश के चहुंमुखी विकास को अमलीजामा पहनाने के लिए सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि ग्रामीण क्षेत्र में भी आत्मनिर्भरता की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क से जुड़े चार आरोपी 10 पिस्तौलों सहित काबू

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को 10 आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी शनिवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रवि सिंह (33) और शरणबीर सिंह उर्फ सन्नी (31), दोनों निवासी गांव महावा (अमृतसर), मनप्रीत सिंह उर्फ मन्नू (21), निवासी गांव निहाला किलचा, फिरोजपुर तथा पिप्पल सिंह (22), निवासी गांव फतेहवाला हिठाड़, फिरोजपुर के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में तीन .30 बोर (मेड इन चाइना), एक 9 एमएम ग्लॉक (मेड इन ऑस्ट्रिया), एक अन्य 9 एमएम पिस्तौल, पांच .30 बोर पिस्तौल तथा नौ जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस टीमों ने आरोपियों के दो मोटरसाइकिल भी जब्त किए हैं।

पंजाब में एक जुलाई से लागू होगी विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन योजना

चंडीगढ़ (हिंस)। राजनीतिक विरोध के बावजूद पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने केंद्र सरकार की विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (वीबी-जीरामजी) योजना को राज्य में लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। शुक्रवार देर रात जारी अधिसूचना शनिवार को संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेज दी गई। यह योजना एक जुलाई से पूरे राज्य के अधिसूचित ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगी।केंद्र सरकार द्वारा जब यह योजना लागू की गई तो पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका खुलकर विरोध किया था। यही नहीं पंजाब सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर केंद्र सरकार के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव भी पारित किया था। इसके बावजूद अब राज्य में इसे लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण अधिनियम लागू किया है। इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान किया गया है। विधेयक पिछले वर्ष दिसंबर में संसद से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी प्राप्त कर चुका है। पंजाब सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस स्कीम का उद्देश्य पंजाब के ग्रामीण विकास ढांचे को *विकसित भारत-2047* के राष्ट्रीय विजन के साथ जोड़ना है। इसके तहत, उन ग्रामीण परिवारों को हर वित्त वर्ष में

Punjab Government Gazette
EXTRAORDINARY
Published by Authority

CHANDIGARH, FRIDAY, JUNE 26, 2026 (ASADHA 5, 1948 SAKA)

GOVERNMENT OF PUNJAB
DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT & PANCHAYATS
NOTIFICATION
The 26th June, 2026

No. 1/51/2018/NC-3/4034-44.- In order to align the Rural Development framework with the national vision of **Viksit Bharat@2047** by providing an enhanced statutory wage employment guarantee of one hundred and twenty five (125) days in each financial year to such rural household whose adult members volunteer to undertake unskilled manual work; and to focus on employment, growth, convergence and saturation, the Government of Punjab is pleased to notify the Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) [VB-G RAM G] Scheme, Punjab 2026," under the provisions of the Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) Act, 2025.

Sd/-
AJIT BALA JI JOSHI, IAS
Administrative Secretary to the Government of Punjab

125 दिनों के लिए बेहतर कानूनी मजदूरी-आधारित रोजगार की गारंटी दी जाएगी, जिनके वयस्क सदस्य बिना हुनर वाले शारीरिक काम के लिए स्वेच्छा से आगे आते हैं। यह स्कीम 1 जुलाई से लागू होगी। गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, पंजाब में बीबी-जी राम जी स्कीम 1 जुलाई से लागू होगी और राज्य के सभी नोटिफाइड ग्रामीण इलाकों में प्रभावी होगी। पंजाब के राज्यपाल ने सेंट्रल एक्ट की धारा 3(1) के तहत इस स्कीम को नोटिफाई किया है। ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग द्वारा जारी अधिसूचना पर प्रशासनिक सचिव अजीत बाला जी जोशी के हस्ताक्षर हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर : पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पांच गोलियां लगने की पुष्टि

भोजपुर/पटना (हिंस)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भरत भूषण तिवारी के शरीर में पांच गोलियां लगने की पुष्टि हुई है। वहीं मामले की जांच जारी है और सरकार ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, भरत भूषण तिवारी को कुल पांच गोलियां लगी थीं। इनमें पहली गोली बाईं जांघ के ऊपरी अगले हिस्से में, दूसरी बाईं जांघ के अंदरूनी मध्य भाग में, तीसरी दाईं जांघ के अंदरूनी मध्य हिस्से में, चौथी दाईं जांघ के बाहरी हिस्से के अंदरूनी भाग में तथा पांचवीं गोली बाएं पैर के पिछले मध्य हिस्से में लगी थी। रिपोर्ट में सामने आए निष्कर्ष उस प्रारंभिक चिकित्सकीय परीक्षण से भी मेल

खाते हैं, जिसमें गंभीर रूप से घायल अवस्था में भरत भूषण तिवारी को आरा सदर अस्पताल लाया गया था। उस समय अस्पताल के सर्जन डॉ. एमएच अंसारी ने बताया था कि उसके पैर और पेट के निचले हिस्से में चार से पांच गोलियां लगी थीं। इस बीच मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य संजय झा ने कहा कि सरकार इस प्रकरण को गंभीरता से ले रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच शुरू हो चुकी है और इसकी जिम्मेदारी एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार आवश्यक कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस संवेदनशील मामले पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। गौरतलब है कि 17 जून को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में पुलिस मुठभेड़ के दौरान भरत भूषण तिवारी की मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया था कि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण कर दिया था, इसके बावजूद पुलिस ने उसे गोली मार दी। इस आरोप के बाद मामला विवादों में आ गया और निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), थाना प्रभारी (एसएचओ) सहित पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आम की पहली व्यावसायिक खेप भेजी गई यूएई

नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के जीआई-टैग प्राप्त प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम की पहली व्यावसायिक खेप संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भेजी गई है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने इस निर्यात को सुगम बनाया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि एक मीट्रिक टन प्रीमियम गुणवत्ता वाले जीआई टैग प्राप्त प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम यूएई को निर्यात किया गया है। इसके साथ ही आमों का पहला व्यावसायिक निर्यात संयुक्त अरब अमीरात के लिए शुरू हो गया है।

मंत्रालय ने कहा कि जीआई-टैग वाले प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आमों की एक मीट्रिक टन की पहली कमर्शियल खेप 26 जून को मेसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भेजी गई। यह खास खेप रीवा सुंदरजा आम की अंतरराष्ट्रीय यात्रा की शुरुआत है, उम्मीद है कि इससे आने वाले सीज़न में नियमित निर्यात का रास्ता खुलेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इस व्यावसायिक निर्यात से रीवा इलाके के आम उत्पादकों को काफी आर्थिक फ़ायदा होने की उम्मीद है। जहां स्थानीय बाजार में रीवा के सुंदरजा आम की मौजूदा कीमत लगभग 100 से 110 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसको एक्सपोर्टर ने इसे 150 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से खरीदा। इस तरह 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम का यह अतिरिक्त फ़ायदा सीधे किसानों को मिलता है, जो उत्पादकों को एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड वैल्यू चेन से जोड़ने के आर्थिक लाभ को दिखाता है।

मंत्रालय ने कहा कि इस पहल से रीवा के किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिलेगी, जिससे रीवा के आम उत्पादकों को लाभ मिलेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत के विशिष्ट कृषि उत्पादों को नई पहचान मिलेगी।

मंत्रालय ने कहा कि ग्लोबल मार्केट में भारत के खास कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक अहम कदम है। इस सफल एक्सपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्षेत्र-विशेष के कृषि उत्पादों की अलग पहचान बनाने में जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) रजिस्ट्रेशन के महत्व को उजागर किया।

न्यूज ब्रीफ

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई। लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

वैश्विक शांति वार्ता से तेल बाजार को राहत, भारत में ईंधन हो सकता है सस्ता

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में हुई प्रगति ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार को राहत दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इस वैश्विक बदलाव से भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती की उम्मीद जगी है। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने 27 जून को जारी अपने नवीनतम दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार घटती कीमतों ने घरेलू उपभोक्ताओं में राहत की आस जगाई है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आने वाले दिनों में देश में पेट्रोल और डीजल के दाम कम हो सकते हैं। हालांकि, वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बड़े बदलावों के कारण यह स्थिरता कब तक बनी रहेगी, इस पर सबकी निगाहें हैं। नए रेट्स के अनुसार, तेल कंपनियों ने कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आम जनता पर ईंधन के बढ़ते दामों का भारी बोझ पड़ा था। 25 मई को हुई आखिरी बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल करीब 7.50 रुपये और डीजल लगभग 7.60 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो गया था, जो चार साल बाद दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि थी। इसी कड़ी में, सीएनजी और एलपीजी के दामों में भी इजाफा हुआ है। दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर मार्च से जून 2026 के बीच दो बार बढ़कर 942 रुपये का हो चुका है।

फाक्सकान का भारतीय इकाई में बड़ा निवेश, 99.9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रानिक कंपनी फाक्सकानने अपनी भारतीय सहायक कंपनी, फाक्सकान हान हाई टेक्नालजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 99.9 फीसदी कर दी है। समूह की सहायक कंपनी फाक्सकान सिंगापुर ने 3.72 करोड़ डालर में लगभग 35.173 करोड़ शेयर खरीदे हैं, जिससे भारतीय इकाई में उसकी कुल हिस्सेदारी 2.82 अरब डालर मूल्य के 23.18 अरब शेयर हो गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह कदम ऐसे समय आया है जब फाक्सकान अपनी 3+3+3 रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहन, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और रोबोटिक जैसे उभरते उद्योगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। आईफोन बनाने वाली यह सबसे बड़ी कंपनी भारत में अपने उत्पादन को लगातार बढ़ा रही है। चेन्नई के श्रीपेरुंबुदूर में इसका सबसे बड़ा विनिर्माण आधार है, जहां ऐपल आईफोन की असेंबलिंग की जाती है।

गैर-विनिर्माण खाद्य कारोबारियों को केंद्र से बड़ी राहत : नियमों में हुआ बदलाव, ईज आफ डूइंग बिजनेस को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने खाद्य कारोबार क्षेत्र में ईज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने खाद्य सुरक्षा नियमों में संशोधन करते हुए गैर-विनिर्माण खाद्य व्यवसायों को कुछ रिकार्ड रखने और स्टाक रोटेशन फर्स्ट इन फर्स्ट आउट- फिफो या फर्स्ट एक्सपायर फस्ट्र आउट - फेफो से जुड़े नियमों से छूट दे दी है। इस बदलाव से विशेषकर छोटे और मध्यम स्तर के कारोबारियों पर अनुपालन का बोझ काफी कम होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (लाइसेंसिंग एंड रजिस्ट्रेशन आफ फूड बिजनेस) रेगुलेशंस, 2011 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। इस संशोधन का प्राथमिक उद्देश्य खाद्य व्यवसायों पर अनावश्यक नियामक बोझ को कम करना और व्यापार करने में सुगमता सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत, अब खुदरा विक्रेताओं, वितरकों और अन्य गैर-विनिर्माण खाद्य कारोबारियों को फिफो या फेफो सिद्धांतों के आधार पर स्टाक का प्रबंधन करने और उससे संबंधित रिकार्ड रखने की अनिवार्यता से छूट मिलेगी। पहले यह नियम सभी लाइसेंसधारी खाद्य कारोबारियों पर लागू था।

सरकार का मानना है कि गैर-विनिर्माण इकाइयों के लिए इन नियमों का पालन करना एक अतिरिक्त बोझ था, जबकि खाद्य सुरक्षा के लिए इसका सीधा प्रभाव सीमित था। हालांकि, खाद्य निर्माण करने वाले कारोबारियों के लिए ये नियम पहले की तरह लागू रहेंगे। निर्माण इकाइयों में खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता बनाए रखने और उत्पाद की ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए फिफो या फेफो जैसे स्टाक प्रबंधन पद्धतियां आवश्यक मानी गई हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि उपभोक्ता तक केवल ताज़ा और सुरक्षित उत्पाद ही पहुंचे। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला खाद्य क्षेत्र में जोखिम-आधारित और परिणाम-केंद्रित नियामक व्यवस्था को बढ़ावा देने की व्यापक सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार ने स्थायी लाइसेंस, टर्नओवर सीमा में संशोधन, स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए दोहरे अनुपालन की समाप्ति और जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रणाली जैसे कई नियमों को आसान बनाया है।

ओपन एआई ने भारत के लिए उबर के पूर्व प्रमुख प्रभजीत को एमडी नियुक्त किया

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दुनिया में अग्रणी ओपन एआई ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। कंपनी ने उबर इंडिया और दक्षिण एशिया के पूर्व अध्यक्ष प्रभजीत सिंह को भारत का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति देश में जनरेटिव एआई की बढ़ती मांग और ओपन एआई की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने के उद्देश्य से की गई है, जिससे भारत में एआई इकोसिस्टम को नई गति मिलने की उम्मीद है। प्रभजीत सिंह सितंबर से भारत के एमडी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के एमडी किरण मणि को रिपोर्ट करेंगे। भारत में ओपनएआइ के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के तौर पर, वे उपभोक्ता सेवाओं के विस्तार, एंटरप्राइज अपनाने, रणनीतिक साझेदारियों, नियामक मामलों और संचालन की देखरेख करेंगे। सिंह उबर के साथ लगभग 11 वर्षों तक जुड़े रहे, जहां उन्होंने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में कंपनी के मोबिलिटी कारोबार का नेतृत्व किया। आईआईटी खड़गपुर और आईआईएम अहमदाबाद से शिक्षित सिंह का तकनीक, रणनीति और बिजनेस डेवलपमेंट का व्यापक अनुभव ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एआई बाजारों में से एक मानते हुए ओपनएआई इस नियुक्ति के जरिए देश में अपनी पैठ बढ़ाने और नवाचार को गति देने का लक्ष्य बना रही है ।

इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी ने दिखाया दम, निवेशकों में लौटी खुशी

धीमी मानसून चाल ने बढ़ाई फिक्र, मंगलवार को बाजार में हुई बड़ी बिकवाली

मुंबई

पिछले हफ्ते मोहर्रम की छुट्टी के कारण भारतीय शेयर बाजार में केवल चार कारोबारी सत्र रहे, जो उतार-चढ़ाव से भरे रहे। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को शानदार उछाल के साथ हुई, निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आई। हालांकि, मंगलवार को बाजार में तेज गिरावट देखने को मिली, जिससे शुरुआती बढ़त बेअसर हो गई। सप्ताह के मध्य और अंत में मजबूत रिकवरी दर्ज की गई, लेकिन मानसून की धीमी चाल एक चिंता का विषय बनी रही, जिसने निवेशकों और नीति-निर्माताओं के माथे पर लकीरें खींचे रखीं।

सप्ताह का पहला कारोबारी दिन सोमवार शेयर बाजार के लिए एक जोरदार वापसी लेकर आया। सेंसेक्स 423 अंकों की बढ़त के साथ 77,226 पर खुला और दिन के दौरान 77,325 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंच गया। अंत में, सेंसेक्स 291 अंक और निफ्टी 89 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे निवेशकों को शुक्रवार की गिरावट के बाद बड़ी राहत मिली। हालांकि, यह उत्साह मंगलवार को फीका पड़ गया, जब भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती बढ़त के बाद बाजार लाल निशान में फिसला और अंतत: सेंसेक्स लगभग 900 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे आ गया। सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शेयरों में बिकवाली का भारी दबाव देखा गया।

सप्ताह के मध्य में, भारतीय बाजार ने प्रभावशाली वापसी की। बुधवार को सेंसेक्स-निफ्टी हरे निशान पर खुले और दिन के कारोबार में सेंसेक्स 900 से अधिक अंकों तक उछल गया, जबकि निफ्टी ने 24,050 का अहम स्तर पार कर लिया। फाइनेंशियल और आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस बुलिश रैली में अहम भूमिका निभाई, जिससे निवेशकों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का फायदा मिला।

गुरुवार को भी यह तेजी बरकरार रही, कच्चे तेल की गिरती कीमतों ने बाजार के सेंटीमेंट को और मजबूत किया। सेंसेक्स 109 अंक चढ़कर और निफ्टी 24,050 के पार बंद हुए। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजार की लचीली प्रकृति को दर्शाता है, लेकिन धीमी मानसून की चाल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

श्रीलंका में जाइडस लगाएगी 2 करोड़ डालर का दवा संयंत्र

नई दिल्ली। भारतीय दवा कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज ने श्रीलंका की सनशाइन हेल्थकेयर के साथ मिलकर 2 करोड़ डालर से अधिक के निवेश से एक दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस साझेदारी का मुख्य लक्ष्य श्रीलंका की दवा आयात पर निर्भरता को कम करना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है। दोनों कंपनियों ने जाइडस सनशाइन लाइफसाइंसेज नामक संयुक्त उद्यम बनाया है, जो होराना के निवेश बोर्ड (बीओआई) क्षेत्र में लगभग चार एकड़ भूमि पर इस अत्याधुनिक इकाई को स्थापित करेगा। यह संयंत्र स्थानीय खुदरा बाजार के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं का उत्पादन कर उनकी उपलब्धता बढ़ाएगा और देश की स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। यह पहल श्रीलंका की हालिया आर्थिक चुनौतियों के बाद स्थानीय विनिर्माण पर जोर देने की नीति के अनुरूप है, जिसने आयात पर निर्भर क्षेत्रों की कमजोरियों को उजागर किया था। इस संयुक्त उद्यम से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन और देश की दवा विनिर्माण क्षमताओं के विकास में भी सहायता मिलेगी। इसे जाइडस की विनिर्माण विशेषज्ञता और सनशाइन के मजबूत घरेलू वितरण नेटवर्क का लाभ प्राप्त होगा।

एथेनाल मिश्रित पेट्रोल सुरक्षित, सरकार ने अफवाहों पर दी सफाई

निराधार दावों और पुरानी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल पर आपत्ति जताई

नई दिल्ली

भारत सरकार ने एथेनाल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे भ्रामक और निराधार दावों पर कड़ी आपत्ति जताई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जोर देकर कहा है कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक रूप से मान्य है और इन दावों का उद्देश्य जनता को भ्रमित करना प्रतीत होता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनाल मिश्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक आधार पर लागू किया गया है और इसकी लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्रालय ने बताया कि 2003 में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह कार्यक्रम, तकनीकी तैयारियों और हितधारकों के परामर्श से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। 2023 से 20 प्रतिशत एथेनाल मिश्रण के कार्यान्वयन के बाद से, इंजन की खराबी या वाहन के टूटने की कोई व्यापक समस्या सामने नहीं आई है।

मंत्रालय ने विशिष्ट दावों का खंडन करते हुए कहा कि ईंधन टैंक में पानी का प्रवेश किसी भी ईंधन के लिए अवांछनीय है और आधुनिक वाहनों में इसे रोकने के लिए डिजाइन संबंधी सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो भ्रामक हैं, क्योंकि ईंधन में उपयोग होने वाला एथेनाल औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा तैयार होता है और सख्त गुणवत्ता मानकों का पालन करता है।

भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड ने चींटियों वाले वायरल वीडियो पर भी सफाई देते हुए कहा कि ईंधन-ग्रेड एथेनाल में कोई चीनी नहीं होती और इसमें कीट-विकर्षक डिनेचुरेंट्स होते हैं, इसलिए चींटियों के आकर्षण का दावा वैज्ञानिक रूप से निराधार है। इसी प्रकार, वाहन बीमा की वैधता प्रभावित होने के दावों को भी निराधार पाया गया है। मंत्रालय ने दोहराया कि एथेनाल मिश्रण एक विश्व स्तर पर स्वीकृत प्रक्रिया है और इसे अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे कई देशों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

कोयले से गैस बनाने 37,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना शुरू, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने घरेलू कोयले से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 37,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना शुरू कर दी है। हाल ही में जारी अधिसूचना के साथ, इसका लक्ष्य देश में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को गति देना है। योजना में प्रतिस्पर्धी बोली व्यवस्था होगी, जिसमें कम वित्तीय प्रोत्साहन मांगने वालों को उच्च मूल्यांकन अंक मिलेंगे।

पात्र संयंत्रों और मशीनरी की लागत का 20 फीसदी तक वित्तीय सहायता का प्रावधान है। लाभ के केंद्रीकरण को रोकने के लिए, मंत्रालय ने सुरक्षा उपाय भी किए हैं; किसी भी परियोजना के लिए 5,000 करोड़ रुपए, किसी कार्पोरेट समूह के लिए 12,000 करोड़ रुपए और अधिकांश डाउनस्ट्रीम उत्पादों

(यूरिया/एसएनजी को छोड़कर) के लिए 9,000 करोड़ रुपए की अधिकतम सहायता सीमा तय की गई है। इसका उद्देश्य घरेलू कोयले से सिनगैस, मेथनाल, अमोनिया और एसएनजी जैसे उत्पादों का उत्पादन बढ़ाना है। यह योजना लगभग 7.5 करोड़ टन कोयले से गैस बनाने की क्षमता वाली परियोजनाओं को समर्थन देगी, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य में मदद मिलेगी।

एचडीएफसी बैंक ने मारी बाजी, दूसरों को महंगी पड़ी पूंजी!

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा घोषित विशेष स्वैप विंडो सुविधा का लाभ उठाने में अग्रणी रहकर एक महत्वपूर्ण फर्स्ट-मूवर एडवांटेज हासिल किया है। इस सुविधा की घोषणा के तुरंत बाद विदेशी बान्ड बाजार में पूंजी जुटाने वाला यह पहला भारतीय बैंक बन गया, जिसने पिछले हफ्ते 75 करोड़ डालर की पूंजी सफलतापूर्वक और प्रतिस्पर्धी दरों पर जुटाई। हालांकि, इसके बाद आने वाले अन्य भारतीय बैंकों को निवेशकों की बढ़ती अपेक्षाओं के कारण ऊंची लागत का सामना करना पड़ रहा है, जो भारतीय ऋणदाताओं से बान्ड आपूर्ति में संभावित वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं। एचडीएफसी बैंक का अग्रणी लाभ एचडीएफसी बैंक ने 5-वर्षीय बान्ड के माध्यम से 75 करोड़ डालर जुटाए, जिसकी प्रभावी ब्याज दर संबंधित अवधि में अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड से मात्र 90 आधार अंक अधिक थी। 5.067 प्रतिशत की कूपन दर बैंक के डालर बान्ड निर्गमों पर अब तक का सबसे कम स्प्रेड है। आरबीआई द्वारा स्वैप लागत पर सब्सिडी दिए जाने से बैंकों के लिए कोष की लागत में कमी आई, और एचडीएफसी बैंक ने समय पर प्रवेश कर इसका पूरा लाभ उठाया, जिससे उसे अत्यधिक अनुकूल शर्तों पर पूंजी प्राप्त हुई। अन्य बैंकों के लिए बढ़ती लागत एचडीएफसी बैंक की सफलता के बाद, पावर फाइनैंस कारपोरेशन ने भी 5-वर्षीय बान्ड निर्गम के जरिए 30 करोड़ डालर जुटाए, लेकिन उसे संबंधित अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड से 105 आधार अंक अधिक ब्याज दर चुकानी पड़ी (प्रभावी ब्याज दर 5.32 फीसदी)। इसी तरह, ऐक्सिस बैंक ने 50 करोड़ डालर से 1 अरब डालर जुटाने की योजना बनाई थी, लेकिन अधिक ब्याज दर के कारण उसे निर्गम का आकार कम करना पड़ा और उसे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड से 110 आधार अंक अधिक ब्याज दर (5.35 फीसदी) पर पूंजी जुटानी पड़ी। यह स्पष्ट रूप से बाद के निर्गमों के लिए बढ़ी हुई लागत को दर्शाता है। निवेशकों की उम्मीदें और बाजार की चाल बाजार के जानकारों का मानना है कि एचडीएफसी बैंक को पहले बाजार में उतरने का फायदा मिला। इसके बाद के निर्गमों पर निवेशकों की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत कम उत्साहजनक रही, क्योंकि वे भारत से आने वाली डालर बान्ड की आपूर्ति का अनुमान जरूरत से ज्यादा लगा रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने उरुग्वे को 1–0 से हराकर ग्रुप एच में शीर्ष स्थान हासिल किया, उरुग्वे फीफा विश्व कप 2026 से हुआ बाहर

ग्वाडलाहारा

स्पेन ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एच के अपने अंतिम मुकाबले में शनिवार तड़के उरुग्वे को 1-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और नाकआउट चरण में प्रवेश किया। इस हार के साथ मार्सेलो बिएल्सा की टीम उरुग्वे का विश्व कप अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया, जबकि केप वर्डे ने भी अंतिम-32 में जगह बना ली।

स्पेन के लिए मैच का एकमात्र गोल एलेक्स बाएना ने पहले हाफ के 42वें मिनट में किया। मार्कोस ल्योरेंटे के क्रास पर बाएना ने गेंद को नियंत्रित कर शाट लगाया, जिसे उरुग्वे के अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा रोकने में असफल रहे और गेंद उनके हाथों से निकलकर गोल में चली गई।

मैच की शुरुआत में स्पेन को बढ़त लेने का मौका मिला था, लेकिन मिकेल ओयारजाबाल का प्रयास उरुग्वे की रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिया। दूसरी ओर उरुग्वे भी आक्रामक दिखा, लेकिन डार्विन नुनेज़ और रोड्रिगो बेंटांकुर अपने अवसरों का फायदा नहीं उठा सके।

हाफ टाइम के बाद मुस्लेरा की जगह सर्जियो रोशेट को मैदान पर उतारा गया। इसके बावजूद उरुग्वे बराबरी का गोल नहीं कर सका। स्पेन के दानी ओल्मो और फेरान टोरेस ने बढ़त दोगुनी करने के मौके बनाए, लेकिन एक प्रयास क्रासबार से टकरा गया।

इंजरी टाइम में उरुग्वे की मुश्किलें और बढ़ गईं जब अगस्टिन कानोब्बियो को पाउ कुबार्सी पर खतरनाक टैकल के कारण सीधा लाल कार्ड दिखाया गया। इसके बाद स्पेन ने आसानी से मैच समाप्त किया।

इस जीत के साथ स्पेन ग्रुप एच में शीर्ष पर रहा और अब 2 जुलाई को ग्रुप जे की उपविजेता टीम से अंतिम–32 का मुकाबला खेलेगा। फिलहाल ग्रुप जे में आस्ट्रिया दूसरे स्थान पर है।

दूसरी ओर, केप वर्डे और सऊदी अरब के बीच मुकाबला गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने से केप वर्डे दूसरे स्थान पर रहते हुए पहली बार विश्व कप के नाकआउट चरण में पहुंच गया।

संक्षिप्त स्कोर

स्पेन 1–0 उरुग्वे

गोल: एलेक्स बाएना (42)

लाल कार्ड: अगस्टिन कानोब्बियो (उरुग्वे, इंजरी टाइम)।

न्यूज ब्रीफ

टी20 ब्लास्ट 2026 के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर नाट्स आउटलाज टीम से खेलेंगे आमिर

लंदन। विवादों में रहे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अब टी20 ब्लास्ट 2026 के बाकी बचे मैचों के लिए घरेलू खिलाड़ी के तौर पर नाट्स आउटलाज टीम से खेलेंगेहैं। आमिर को ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ही घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इससे अब ये तेज गेंदबाज अपने क्रिकेट करियर की नई पारी शुरु कर रहा है। आमिर को एक समय पाक का एक बेहतरीन तेज गेंदबाज माना जाता था पर स्पाट फिक्सिंग मामले के चलते उन्हें झटका लगा और पाक क्रिकेट में उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। वहीं अब ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद आमिर का काउंटी क्रिकेट में विदेशी खिलाड़ी के वर्ग में नहीं गिना जाएगा जिससे इंग्लैंड की ओर से उनके पास अब घरेलू क्रिकेट में भी खेलने के कई अवसर हैं। नाटिंघमशायर ने आमिर के साथ करार किसे जाने को सही बताया है। साथ ही कहा कि 34 वर्षीय आमिर ब्लास्ट अभियान के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें नाकआउट चरण भी शामिल है। काउंटी टीम अभी नार्थ ग्रुप में शीर्ष के करीब है और उन्हें उम्मीद है कि आमिर का लंबा अनुभव खिताब जीतने की उनकी संभावनाओं को और मजबूत करेगा। क्लब ने कहा कि अब जब उन्हें ब्रिटिश पासपोर्ट मिल गया है। उन्हें विदेशी खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। गौरतलब है कि आमिर का करियर सबसे उतार–चढ़ाव भरा रहा है। सा 2009 टी20 विश्व कप और 2017 चैंपियंस ट्राफी में पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके नाम 364 टी20 मैचों में 425 विकेट लिए जिसमें उनका औसत 22.63 और इकानमी रेट 7.36 रहा।

फ्लेमिंग का 2027 तक चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच बने रहना तय

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सत्र में भी अच्छा नहीं रहा है हालांकि इसके बाद भी टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का अपने पद पर बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने कोच पर भरोसा जताया है जिससे तय है कि फ्लेमिंग 2027 सत्र में भी कोच बने रहेंगे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल के कुछ साल में टीम के प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है और टीम लगातार सवालों के घेरे में रही है। गौरतब है कि सीएसके की सफलता में कोच के तौर पर फ्लेमिंग की अहम भूमिका रही है। साल वर्ष 2009 में मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से ही, फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में टीम ने कई आईपीएल खिताब जीते और लीग की सबसे सफल तथा लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई। इसी ऐतिहासिक सफलता और भरोसे के कारण ही फ्रेंचाइजी कठिन दौर में भी उन्हें बनाये रखना चाहती है। फ्लेमिंग का अनुबंध हर साल नवीनीकृत किया जाता है और 2027 सत्र के लिए भी इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाए जाने की संभावना है।

विंबडन में माया जाइंट से पहला मुकाबला खेलेंगी सेरेना

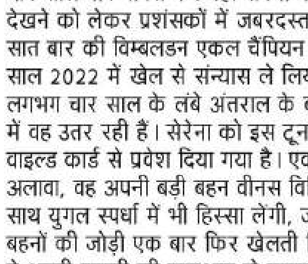

लंदन। सोमवार से शुरु हो रहे विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट से खेल में वापसी कर रही अमेरिका की 42 साल की अनुभवी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स अपना पहला मुकाबला आस्ट्रेलिया की 20 साल की माया जाइंट से खेलेंगी। चार साल बार वापस कर रही सेरेना का मुकाबला देखने को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। सात बार की विम्बलडन एकल चैंपियन रही सेरेना ने साल 2022 में खेल से संन्यास ले लिया था। अब लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद विम्बलडन में वह उतर रही हैं। सेरेना को इस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। एकल के अलावा, वह अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी, जहां विलियम्स बहनों की जोड़ी एक बार फिर खेलती दिखेगी। सेरेना ने अपनी वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से की थी, जिससे उनकी फिटनेस और खेल लय का संकेत मिला था। रविवार को आल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की आधिकारिक घोषणा ने उनकी वापसी को पक्का कर दिया। गौरतलब है कि सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहाँ उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

फआईएच प्रो लीग : भारत ने पाकिस्तान को 7 – 1 से रौंदा

लंदन

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के लंदन चरण में अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को शुक्रवार देर रात 7-1 से करारी शिकस्त देकर शानदार जीत दर्ज की। ली वैली हाकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए मुकाबले में शुरुआती झटके के बाद भारत ने लगातार सात गोल दागते हुए पाकिस्तान को पूरी तरह मैच से बाहर कर दिया।

भारत की ओर से सुखजीत सिंह (20वां मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (26वां), हार्दिक सिंह (34वां), जुगराज सिंह (35वां), अभिषेक (41वां), राज कुमार पाल (44वां) और दिलप्रीत सिंह (54वां) ने गोल किए। पाकिस्तान के लिए एकमात्र गोल अबू बकर महमूद (13वां मिनट) ने किया।

भारतीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने किया दमदार पलटवार

मैच की शुरुआत तेज रफ्तार रही। भारत ने शुरुआती डेढ़ मिनट में ही पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। इसके बाद 13वें मिनट में पाकिस्तान को पेनल्टी कार्नर मिला, जिस पर कप्तान अबू बकर महमूद ने ड्रैग फ्लिक से गोल कर टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बना लिया। 20वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर पर हरमनप्रीत सिंह की ड्रैग फ्लिक को सुखजीत सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन देकर गोल में बदलते हुए स्कोर 1–1 कर दिया।

इसके छह मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कार्नर मिला, जिस पर हरमनप्रीत सिंह ने जोरदार ड्रैग फ्लिक के जरिए सीधे गोल दागकर भारत को 2–1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में भारत का गोलों का तूफान

34वें मिनट में भारत को लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले। दूसरे कार्नर पर पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे हार्दिक सिंह ने आसानी से गोल में बदल दिया।

इसके तुरंत बाद भारत ने तेज जवाबी हमला बोला और दिलप्रीत सिंह व सुखजीत सिंह की शानदार तालमेल भरी मूव पर जुगराज सिंह ने गोल कर स्कोर 4–1 कर दिया। 41वें मिनट में सुखजीत के पास पर अभिषेक ने शानदार फील्ड गोल किया। इसके बाद लगातार मिले पेनल्टी कार्नर के दौरान राज कुमार पाल ने रिबाउंड पर गोल कर भारत की बढ़त 6–1 कर दी।

दिलप्रीत ने लगाया सातवां गोल

अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम का दबदबा जारी रहा। 54वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने बेहतरीन मूव को गोल में बदलते हुए भारत का सातवां गोल दागा।

मैच के अंतिम मिनटों में पाकिस्तान को लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने दोनों प्रयास नाकाम कर दिए। इसके साथ ही भारत ने 7–1 की शानदार जीत अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर:

भारत 7
(सुखजीत सिंह 20
हरमनप्रीत सिंह 26
हार्दिक सिंह 34
जुगराज सिंह 35
अभिषेक 41
राज कुमार पाल 44
दिलप्रीत सिंह 54)
पाकिस्तान 1
(अबू बकर महमूद 13)।

भारत-इंग्लैंड टी-20 सीरीज कोल्स से टीम इंडिया को रहना होगा सावधान

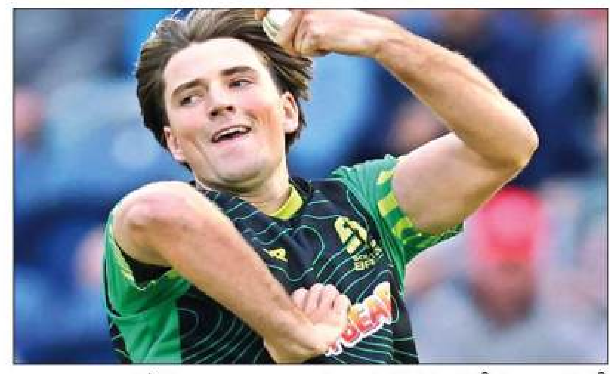

लंदन

भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से होने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ी जेम्स कोल्स से सावधान रहना होगा। भारतीय टीम इस दौरे में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इंग्लैंड की टीम में इस बार नये खिलाड़ी के तौर पर केवल कोल्स को रखा गया है।

कोल्स दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं और स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। वह घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। इस साल की शुरुआत में द हंड्रेड नीलामी में उन्होंने सदर्न ब्रेव की ओर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्हें टीम ने सबसे अधिक कीमतों में खरीदा था। हाल ही में ससेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के एक मैच में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए इस युवा ने नाबाद 224 रन की शानदार पारी खेली थी। इस क्रिकेटर ने काउंटी के अलावा इस साल की शुरुआत में एसए 20 लीग में काव्या मारन की मालिकाना अधिकार वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए भी खेला था जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड पुरुष टीम के मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नार्थ ने कोल्स की जमकर सराहना की है। नार्थ ने कहा कि जेम्स कोल्स एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने इंग्लैंड लायंस के साथ-साथ देश-विदेश की टी–20 प्रतियोगिताओं में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। कोल्स का क्रिकेट करियर काफी प्रभावशाली रहा है, भले ही वह अभी युवा हैं। ससेक्स के लिए खेलते हुए, उन्होंने अब तक 58 फर्स्ट–क्लास, 24 लिस्ट–ए और 71 टी–20 मैच खेले हैं। सबसे छोटे प्रारूप टी–20 में, उन्होंने 61 पारियों में 146.37 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 1,373 रन बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। गेंदबाजी में भी, उन्होंने 56 पारियों में 59 विकेट लेकर अपनी आलराउंड क्षमता साबित की है।

फीफा विश्वकप ट्राफी में लगे सोने की कीमतें दोगनी हुई

न्यूजर्सी। हाल के कुछ समय में जिस प्रकार से सोने की कीमतों में उछाल आया है। उसका प्रभाव फीफा विश्वकप ट्राफी पर भी पड़ा है। इसी कारण फीफा विश्वकप ट्राफी में लगे सोने की कीमत अब बढ़कर लगभग 7.13 लाख डालर (तकरीबन 6.73 करोड़ रुपये) तक पहुंच गयी ये चार साल पहले की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। वित्तीय आंकलन वाली एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 के विश्व कप के समय ट्राफी में मौजूद सोने का मूल्य लगभग 2.77 लाख डालर आंका गया था। यह आंकड़ा दिखाता है कि केवल दो साल में सोने की कीमत में तेजी आई है। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप ट्राफी 18 कैरेट सोने से बनी है और इसका कुल वजन 6.175 किलोग्राम है। इसमें लगभग 4.93 किलोग्राम सोना जड़ा है। इसी कारण ये सबसे कीमती ट्राफी मानी जाती है। सोने की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार अनिश्चितता को माना जा रहा है। खिलाड़ियों के लिए विश्व कप ट्राफी का महत्व अमूल्य है, पर इसमें मौजूद सोने का मौद्रिक मूल्य इस बात का प्रमाण है कि इस कीमती धातु की कीमत पिछले कुछ साल में कितनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले 1974 के विश्व कप से पहले वर्तमान ट्राफी डिजाइन को पेश किया गया था, तब इसमें लगे सोने की अनुमानित कीमत केवल 25,000 डालर थी।

आमिर जंगू और रोस्टन चेज़ ने वेस्टइंडीज़ को दिलाई दमदार वापसी

एंटीगा

एंटीगा में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन वेस्टइंडीज़ के युवा विकेटकीपर–बल्लेबाज़ आमिर जंगू ने अपने करियर के दूसरे ही टेस्ट में शानदार संयम का परिचय देते हुए नाबाद 78 रन की पारी खेली। कप्तान रोस्टन चेज़ (नाबाद 42) के साथ उनकी 103 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज़ ने दिन का खेल समाप्त होने तक 5 विकेट पर 271 रन बना लिए।

शुक्रवार को दूसरे दिन की शुरुआत वेस्टइंडीज़ के सलामी बल्लेबाज़ों जान कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार अंदाज़ में की। दोनों ने पहले घंटे तक श्रीलंकाई गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद मिलान रत्नायके ने ब्रैंडन किंग को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

कैंपबेल ने कावेम हाज के साथ पारी को आगे बढ़ाया और लंच तक टीम का स्कोर 1 विकेट पर 89 रन पहुंचा दिया।

हालांकि लंच के बाद श्रीलंका ने मैच में वापसी की। सोनल दिनुशा ने कैंपबेल को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद कावेम हाज, जोशुआ डा सिल्वा और जस्टिन ग्रीव्स अच्छी शुरुआत तो कर सके, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। इस दौरान श्रीलंका ने 79 रन के भीतर चार विकेट झटककर मुकाबले पर पकड़ मजबूत कर ली।

ऐसे मुश्किल समय में आमिर जंगू और कप्तान रोस्टन चेज़ ने मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाज़ों ने पूरे अंतिम सत्र में धैर्यपूर्वक बल्लेबाज़ी करते हुए 203 गेंदों का सामना किया और 103 रन की नाबाद साझेदारी कर श्रीलंका की बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया।

श्रीलंका को गेंदबाज़ी में भी झटका लगा, जब तेज़ गेंदबाज़ लाहिरु कुमारा हैमस्ट्रिंग में परेशानी के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए। इसका फायदा जंगू और चेज़ ने उठाया और दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज़ को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

अब वेस्टइंडीज़ श्रीलंका के पहली पारी के स्कोर से केवल 37 रन पीछे है और उसके पास अभी पांच विकेट शेष हैं।

संक्षिप्त स्कोर

श्रीलंका: 308 रन (धनंजय डी सिल्वा 120, दिनेश चांदीमल 54; जस्टिन ग्रीव्स 3/39)

वेस्टइंडीज़: 271/5 (अमीर जंगू नाबाद 78, रोस्टन चेज़ नाबाद 42; असिथा फर्नांडो 2/25)

स्थिति: श्रीलंका पहली पारी के आधार पर 37 रन से आगे।

चंबल घड़ियाल्स ने पहली बार जीती सिंधिया ट्राफी; रायल निमाड़ ईगल्स को 31 रन से हराया

अभिषेक मावी की नाबाद 73 रन की आतिशी पारी भी नहीं बचा सकी निमाड़ की हार; चंबल के 224 रनों के जवाब में 193/7 पर थमी निमाड़ की पारी

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के खिताबी महामुकाबले में चंबल घड़ियाल्स ने इतिहास रच दिया है। पिछले सीजन (2025) की उपविजेता रही चंबल घड़ियाल्स की टीम ने अतीत की हार को भुलाकर चमचमाती सिंधिया ट्राफी पर पहली बार अपना कब्जा जमा लिया है। इस रोमांचक फाइनल में चंबल घड़ियाल्स ने रायल निमाड़ ईगल्स को 31 रनों से शिकस्त दी। चंबल के 224 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल निमाड़ ईगल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 193 रन ही बना सकी। शानदार आलराउंड प्रदर्शन के लिए त्रिपुरेश सिंह (43 व 1 विकेट) को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

कप्तान शुभम और अपूर्व के धमाके से बना रिकार्ड स्कोर – इससे पहले, रायल निमाड़ ईगल्स के टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को गलत साबित करते हुए चंबल घड़ियाल्स के बल्लेबाजों ने रनों की बरसात कर दी। चंबल की शुरुआत तेज रही। हर्ष दीक्षित ने मात्र 18 गेंदों पर 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 32 रनों की आतिशी पारी खेली, जबकि अंकुश सिंह ने 12 रन का योगदान दिया। पहले दो विकेट 45 रन पर गिर जाने के बाद कप्तान शुभम शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज अपूर्व द्विवेदी के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 83 रनों की तूफानी साझेदारी ने मैच का पासा पलट दिया। अपूर्व ने मात्र 25 गेंदों में 3 चौकों और 5 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 51 रन कूट डाले। वहीं कप्तान शुभम शर्मा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 38 गेंदों पर 61 रनों (5 चौके, 3 छक्के) की बेहतरीन पारी खेली। डेथ ओवरों में त्रिपुरेश सिंह ने 24 गेंदों पर 43 रन की अमूल्य नाबाद पारी खेली, जबकि रोहित कुमार गुप्ता ने मात्र 7 गेंदों पर 17 रन ठोककर टीम का स्कोर 224/5 तक पहुंचाया।

रायल निमाड़ ईगल्स की ओर से पारूष मंडल (4 ओवर, 40 रन), देवेंद्र सिंह कटैत (4 ओवर, 47 रन), पुष्कर विश्वकर्मा (4 ओवर, 38 रन) और कुमार कार्तिकेय (4 ओवर, 52 रन) को 1–1 सफलता तो मिली, लेकिन वे चंबल की बाउंड्री एक्सप्रेस को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। कार्तिकेय और कटैत इस खिताबी मुकाबले में सबसे महंगे साबित हुए।

अभिषेक मावी का जुझारू अर्धशतक, गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से चंबल बना चैंपियन – 225 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायल निमाड़ ईगल्स ने पावरप्ले में 76 रन बनाकर बेहद आक्रामक शुरुआत की थी। कप्तान हिमांशु मन्त्री ने 25 गेंदों में 44 रनों की कप्तानी पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही निमाड़ का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। टीम ने महज 23 रनों के भीतर अपने 5 विकेट गंवा दिए और स्कोर 96/2 से देखते ही देखते 119/7 हो गया। जब निमाड़ की हार पूरी तरह तय नजर आ रही थी, तब निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आए अभिषेक मावी ने चंबल के गेंदबाजों के खिलाफ अकेले दम पर मोर्चा खोल दिया। मावी ने मैदान के चारों ओर शाट लगाते हुए मात्र 39 गेंदों में 5 चौकों और 6 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 73 रनों की नाबाद और साहसी पारी खेली। उन्होंने पारूष मंडल (नाबाद 8 रन) के साथ आठवें विकेट के लिए 74 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच को आखिरी ओवर तक खींचा और हार के अंतर को कम किया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा सके।

मसाला चाय की चुस्की आपको देगी ताजगी

हालांकि ग्रीन टी के बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, लेकिन हमारी देसी मसाला चाय ग्रीन टी की तुलना में बहुत ही स्वस्थ और स्वाद में कहीं बेहतर होती है।

पीना चाहेंगे मसाला चाय

हम भारतीय को अपनी चाय के कप से बहुत प्यार होता है, लेकिन जब हरी चाय यानी ग्रीन टी की बात आती है तो हम बहुत उलझन में पड़ जाते हैं। हालांकि ग्रीन टी के बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, लेकिन हमारी देसी मसाला चाय ग्रीन टी की तुलना में बहुत ही स्वास्थ्य और स्वाद में कहीं बेहतर होती है। इसके अलावा इसे बनाने भी बहुत आसान होता है और मसाला चाय बनाने के लिए आपको निर्माताओं पर निर्भर रहने की भी जरूरत नहीं होती है। इसके लिए आपको लौंग, इलायची, अदरक, दालचीनी, तुलसी और कुछ चाय की पत्ती की जरूरत होती है और यह सब मसाले सभी भारतीय रसोई में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यहां आपकी चाय को अद्वितीय और स्वस्थ बनाने वाली कुछ बातों के बारे में बताया गया है जिनको जानने के बाद इस चाय को पीना कभी नहीं छोड़ेगें।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर

मसाला चाय बनाने में इस्तेमाल होने वाले सभी मसाले केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य लाभ ही नहीं देते बल्कि सूजन का मुकाबला करने के लिए शरीर में तालमेल बनाने के काम भी करते हैं। सूजन को कम करने में मदद करने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व अदरक है। लौंग सूजन को कम करने में मददगार दूसरा अच्छा उपाय है। यह शरीर की मांसपेशियों की सूजन को कम करने में आपकी मदद करता है। यह दोनों मसाले बहुत ही शक्तिशाली दर्द निवारक है।

थकान को दूर

दिन भर की थकान के बाद गर्मा-गर्म मसाला चाय का एक प्याला किसी जादू से कम नहीं होता। इसमें मौजूद टैनिन नामक तत्व शरीर को शांत और पुनर्जीवित करने का काम करता है। इसके अलावा चाय में कैफीन एक उत्तेजक की तरह काम करता है। हांलाकि इसमें कॉफी की तुलना में बहुत कम मात्रा में कैफीन होता है, लेकिन वह उसी की तरह प्रभावशाली होता है। चाय में मौजूद यह मिश्रण थकान को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है।

कोल्ड और फ्लू को दूर भगाए

मसाला चाय में मौजूद एंटीबैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी पैरासिटिक गुणों के कारण यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने और आम संक्रमण से बचने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा लौंग, दालचीनी, इलायची और अदरक के प्रभाव के कारण यह खांसी और जुकाम को दूर रखने का एक शानदार तरीका है।

पाचन में सुधार करें

मसाला चाय में मौजूद मसाले जैसे लौंग, तुलसी, अदरक और इलायची के कारण यह एसिडिटी से परेशान लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। हालांकि मसाला चाय की प्रकृति अत्यधिक अम्लीय होती है लेकिन इसमें अदरक मिलाने के बाद यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करती है और वास्तव में यह चाय के अम्लीय प्रकृति को भी दूर करती है।

चयापचय को बढ़ावा दें

अच्छा चयापचय शरीर को आहार को पचाने और भोजन के उपयोग में मदद करने जैसी अन्य बातों के लिए भी जिम्मेदार होता है। अपने स्वास्थ्य का एक अनिवार्य हिस्सा होने के नाते, चाय पीने से आपके पूरे पाचन तंत्र में सुधार होता है। इसके अलावा आयुर्वेद में, चाय को गर्मी पैदा करने वाले भोजन के रूप में जाना जाता है और इसलिए यह आपके चयापचय में तेजी लाने में मदद करता है।

दिल के लिए अच्छी होती है काली चाय

काली चाय (मसाला चाय के मुख्य घटकों में से एक) मजबूत एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। इसके अलावा, लौंग और इलायची जैसे मसाले भी खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा में सुधार करने में मदद करते हैं। इस प्रकार, धमनी ब्लॉकों में पट्टिका गठन की राशि को कम करने में मदद करती है। चाय में मौजूद टैनिन भी रक्त वाहिकाओं को विस्फारित कर हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए जाना जाता है।

डायबिटीज से बचाए

लौंग, दालचीनी और इलायची इन सभी की मौजूदगी से शरीर में इंसुलिन के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है और यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करके मधुमेह को रोकने में मदद करने के लिए जाना जाता है। दालचीनी तेज दिमाग पाने और अल्जाइमर जैसे रोगों की शुरुआत को रोकने में मददगार होती है और लौंग शरीर को शर्करा के बेहतर उपयोग में मदद करती है।

वैक्सीन से करिए चिकन पॉक्स का इलाज

मौसम बदलते ही संक्रमक रोगों से पीडित रोगियों की संख्या बढने लगती है। चिकनपॉक्स, खसरा, काला जार व डायरिया का संक्र मण फैलने लगता है। चिकन पॉक्स एक संक्रामक बीमारी है। चिकन पॉक्स छोटी चेचक नाम से भी जानी जाती है। यह संक्र मण 1 से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों में ज्यादातर पाया जाता है। ज्यादा दिनों तक बीमार रहने पर भी यह इंफेक्शन हो जाता है। खान-पान में आई अनियमितता इस बीमारी का प्रमुख कारण होता है। तेजी से खुजली होना, लाल दाने निकल आना इस बीमारी के प्रमुख लक्षण हैं।

चिकनपॉक्स के कारण

» यह बीमारी खान-पान में असावधानी बरतने से ज्यादातर होती है। जैसे दूषित भोजन या पानी का सेवन कर लेना या फिर खुला खादय पदार्थ खाना, इस बीमारी को दावत देने जैसा होता है।

» इसके अलावा अत्यधिक ठंड या गर्म होने से भी यह बीमारी होती है। हवा में मौजूद बेरीसेला वायरस ठंड में ज्यादा सक्रिय होता है जो बच्चों को प्रभावित करता है।

» जिन बच्चों की त्वचा ज्यादा संवेदनशील होती है, उसे चिकेन पॉक्स होने की ज्यादा संभावनाएं होती हैं।

» ज्यांदा कडे साबुन या ज्यादा देर तक स्नान करने से भी यह इंफेक्शन हो जाता है।

» ज्यादा छोटे बच्चों में मां के दूध को छोडकर अन्य खाद्य पदार्थ खिलाने से यह इंफेक्शन फैल सकता है।

चिकन पॉक्स के लक्षण

सबसे पहले बच्चों में बुखार आता है जो दो दिनों तक रहता है। फिर शरीर में दाने निकल आते हैं। इसमें छह दिन बाद दाने स्वयं ही समाप्त हो जाते हैं लेकिन पीड़ित बच्चा कमजोर हो जाता है और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता कमजोर हो जाती है।

लाल उभरे दाने से शुरू होता है।

» लाल दाने बाद में फफोलों में बदल जाते हैं। » मवाद आने लगता है, मवाद फूटकर खुरदुरा हो जाता है। » यह मुख्य रूप से चेहरे, खोपडी, रीढ और टांगों पर दिखाई देती है।

» इसमें तेज खुजली होती है।

» भूख ना लगना, उल्टी होना इसका प्रमुख लक्षण है।

चिकन पॉक्स से बचाव के लिए रखें ख्याल

- चिकन पॉक्स से बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है खान-पान का ध्यान रखें। खुले में रखा खाद्य पदार्थ बिल्कुल भी न लें।
- चिकन पॉक्स एक संक्रमण की बीमारी होती है जो एक व्यक्ति से दूसरे में जा सकती है। इसलिए जिसे भी यह बीमारी हुई वे एक-दूसरे से दूर रहें जिससे इंफेक्शन का खतरा न हो।
- बच्चे के माता-पिता इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बच्चा यदि बीमार है तो उसे स्कूल न भेजें ताकि दूसरे बच्चे इस संक्रमण की चपेट में न आएं।
- यह बीमारी ज्यादा खतरनाक तो नहीं है लेकिन बच्चे के शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। जैसे भी इस बीमारी के लक्षण दिखें तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करें।
- इस बीमारी से बचने के लिए ठंड से बच्चों का बचाव करें, क्योंकि ठंडी हवा में इस बीमारी का वायरस बेरीसेला ज्यादा सक्रिय होता है।
- चिकन पॉक्स के इलाज के लिए कई प्रकार की दवाईयां और वैक्सीन बाजार में उपलब्ध हैं। इनका प्रयोग करके इस बीमारी से निजात पायी जा सकती है।

पोलो टी-शर्ट से पा सकते है-स्मार्ट लुक

हर पुरूष को अपनी वार्डरोब में पोलो टी-शर्ट को रखना बेहद पसंद होता है। पोलो टी शर्ट काफी आरामदायक होती है। ये काफी क्लासी होती हैं जिन्हे सिर्फ एक क्लास के ही लोग पसंद करते हैं। पोलो टी शर्ट को चाहें तो फॉर्मल कपड़ों में पहने या फिर किसी खास इवेंट में। खेलने वाले खिलाडियों को एक विशेष ड्रेस पहनकर खेलना होता था। धीरे-धीरे ये शौक बन गया है और प्राईवेट पोलो ग्राउंड पर भी लोग इसे पहन कर खेलना पसंद करने लगे। अब इन्हे सिर्फ ग्राउंड पर पहनने की जरूरत नहीं है, आप किसी भी मौके पर इसे पहन सकते हैं फॉर्मल मीटिंग केअलावा । अगर आपको अपनी वॉर्डरोब में किसी टी-शर्ट को रखना है तो ब्लैक कलर की टी शर्ट सबसे बेस्ट होती है। यह सभी कलर के पैंट या जीस के चलती है और इम्प्रेसिव भी लगती है। आप चाहें सफेद पोलो टी शर्ट भी ले सकते हैं। इसे ऑफिस या बाहर भी आराम से पहना जा सकता है। आप शॉर्ट्स के साथ भी इसे पहन सकते हैं। किसी भी कंट्रास्ट कलर के पैंट के साथ पहना जाता है। पोलो टी शर्ट में धारीदार/स्ट्रिप टी शर्ट भी आती हैं, अधेड़ उम्र के पुरूषों पर जमती है।

छोटे कद की लड़कियां भूल कर भी ना पहनें ऐसी ड्रेसेस

फैशन में लम्बाई काफी अहम भूमिका निभाती है। इसी वजह से फैशन जगत में लम्बे लोगों की धूम होती है। हर शो में आपको लम्बे लोगों की तूती बोलती नज़र आएगी। ऐसे में हाइट के मसले पर समझ नहीं आता है कि मार्केट में छोटी लड़कियों के लिए क्या है और वह किसमें ज्यादा अच्छी नजर आएगी। क्योंकि लम्बी लड़कियां कुछ भी पहनें और किसी भी डिजाइन के कपड़े पहनें, उन पर जंचता है लेकिन कम हाईट वाली लड़कियों पर हर प्रकार के कपड़े अच्छे नहीं लगते हैं। आज हम इस आर्टिकल में कम ऊंचाई वाली लड़कियों के लिए कुछ स्पेशल टिप्स और ड्रेस के बारे में बताएंगे। छोटे कद की लड़कियों को लम्बे और धारीदार कपड़े पहनने चाहिए, साथ ही क्र ॉस या चेक प्रिंट के कपड़े न ही पहनें तो बेहतर रहेगा।

नॉर्मल हील ही पहनें और खुद को छोटे कद का समझकर परेशान न हों। अपने आपको अच्छी तरह ड्रेसअप करें, बस इसके लिए आपको कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना होगा, तो कि निम्न प्रकार हैं:-

बरमूडा शॉर्ट्स

इसे पहनने से छोटा कद भी सही लगने लगता है और लोगों की नजर में आप उतनी छोटी नहीं दिखेगी जितनी आप है। आप चाहें तो मध्यम ऊंचाई वाला ट्राउजर भी पहन सकती हैं।

वाइड-लेग्ड पैंट

इस तरह के पैंट को न ही पहनें तो बेहतर होगा। इससे कद काफी कम लगने लगता है।

शर्ट ड्रेसेस

ये ड्रेस बहुत प्यारी होती हैं लेकिन आप पर उतनी प्यारी भी नहीं लगेगी। इसलिए इन्हें न ही पहनें तो उचित रहेगा।

ओवर-साइज बैग्स

कोशिश करें और बैग को अपने साइज के हिसाब से जोड़ लें। ओवरसाइज बैग, आपको बेहद सुंदर बना देते हैं।

मिड-काफ बूट

ये बूट अच्छे तो बहुत लगते हैं लेकिन इन्हें पहनने से हाईट काफी कम लगती है। इसलिए छोटे कद की लड़कियां इसे न पहनें।

आड़े प्रिंट वाली ड्रेस

शर्ट, टॉप या ड्रेस को हॉरीजोन्टल प्रिंट या आड़े प्रिंट पर न पहनें। इससे कद कम लगने लगता है।

एंकल-स्ट्रेप हील

इसे पहनने के बाद आप उचकी-उचकी सी दिखेगी। इसलिए, इसे न ही पहनें तो बेहतर होगा।

हल्दी वाले दूध पीने के फायदे

हल्दी और दूध, सेहत के लिहाज से इनके कई फायदे विभिन्न शोधों में माने गए हैं लेकिन गर्म दूध के साथ हल्दी का सेवन भी आपकी सेहत के लिए कम फायदेमंद नहीं हैं। हल्दी एंटी माइक्रोबियल है इसलिए इसे गर्म दूध के साथ लेने से दमा, ब्रॉंकाइटिस, फेफड़ों में कफ और साइनस जैसी समस्याओं में आराम हो सकता है। यह बैक्टीरियर और वायरल संक्रमणों से लडने में मददगार है। गर्म दूध के साथ हल्दी के सेवन से शरीर में जमा फैट्स घटता है। इसमें मौजूद कैल्शियम और मिनिरल्स सेहतमंद तरीके से वेट लॉस में मददगार हैं। हल्दी में अमीनो एसिड है इसलिए दूध के साथ इसके सेवन के बाद नींद गहरी आती है।

अनिद्रा की दिक्कत हो तो सोने से आधे घंटे पहले गर्म दूध के साथ हल्दी का सेवन करें। हल्दी वाले दूध के सेवन से गठिया से लेकर कान दर्द जैसी कई समस्याओं में आराम मिलता है। इससे शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है जिससे दर्द में तेजी से आराम होता है। आयुर्वेद में हल्दी वाले दूध का इस्तेमाल शोधन क्रिया में किया जाता है। यह खून से टॉक्सिन्स दूर करता है और लिवर को साफ करता है। पेट से जुड़ी समस्याओं में आराम के लिए इसका सेवन फायदेमंद है। हल्दी वाले दूध के सेवन से पीरियड्स में पडने वाले क्रैम्स से बचाव होता है और यह मांसपेशियों के दर्द से छुटकारा दिलाता है। दूध में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होता है और हल्दी में एंटीऑक्सीडेट्स भरपूर होते हैं इसलिए इनका सेवन हड्डियों को मजबूत करता है और शरीर की प्रतिरोधी क्षमता घटाता है।

संभालकर बनाएं आर्ट रेस्टोरेशन में करियर

आर्ट रेस्टोरेशन , नाम सुनकर हो सकता है यह आपको थोड़ा नया लगे लेकिन क्या आपको हिट फिल्म लव आजकल में दीपिका पादुकोण का किरदार याद है ? जिसमें दीपिका ने आर्ट रेस्टोरेटर मीरा पंडित की भूमिका निभाई है। इस यादगार किरदार के साथ ही ऑन डिमांड करियर बन गया है आर्ट रेस्टोरेशन।

यह करियर प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है, जिसमें पुरानी हवेलियों या किलों की खराब हो चुकी आर्ट को फिर से नया बनाया जाता है। प्राचीन कलाकृतियां, मूर्तियां, पेंटिंग्स आदि किसी भी देश की अमूल्य धरोहर समझी जाती हैं। कलाकृतियों के संरक्षण व रख-रखाव का यह कार्य आर्ट-रेस्टोरर द्वारा किया जाता है।

योग्यता : आर्ट- रेस्टोरर बनने के लिए फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में स्नातक होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कराया जाता है। जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। योग्यता कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्किटेकेच र, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए। इससे संबंधित कोर्स करने के लिए फीस भी बहुत ज्यादा नहीं है। कुछ संस्थानों में स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

संभानाएं: ऐतिहासिक इमारतों को संजोकर रखने में पुरातत्व विभाग के रेस्टोरर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक उद्योग का रूप ले लिया है। जॉब की संभावनाएं इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है। शुरू में आपको अनुभव हासिल करने के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है। कुछ साल का अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट वर्क भी शुरू कर सकते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की लाइब्रेरी में भी आपको मौका मिलता है। कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिलती है।

प्रमुख संस्थान: नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

प्रवेश: एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी

जरूरत होती है।

संभावनाएं: एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

क्षय रोग (टी.बी) एक संक्रामक बीमारी

क्षय रोग होने पर रोगी का शरीर कमजोर हो जाता है, उसका वजन कम होने लगता है और रोगी को थकान महसूस होने लगती है। इसके साथ ही रोगी को खांसी व तेज बुखार भी होने लगता है। तपेदिक का प्रभाव रोगी के फेफड़ों, हड्डियों, ग्रंथियों तथा आंतों में कहीं भी देखने को मिल सकता है। इसके बैक्टीरिया इतने सूक्ष्म होते हैं कि एक्स रे के जरिए ही उनकी पहचान की जा सकती है।

क्षय रोग के कारण

बैक्टीरिया द्वारा: टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों आदि में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्ड़ियों, अंतड़ियों आदि पर हमला कर सकते हैं।

रोगी के संपर्क से: किसी भी क्षय रोगी के संपर्क में रहने से उसके खांसने, छींकने व थूकने से बैक्टीरिया स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

गलत रहन-सहन से: क्षय रोग उन व्यक्तियों के होने की संभावना ज्यादा होती है जिनके खान-पान तथा रहन-सहन का तरीका गलत होता है। इन खराब आदतों के कारण शरीर में विजातीय द्रव्य (दूषित द्रव्य) जमा हो जाते हैं और शरीर में रोग उत्पन्न हो जाता है।

प्रतिरोधक क्षमता कम होने से: शरीर में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण क्षय रोग होने की ज्यादा संभावना होती है। क्योंकि शरीर में क्षय रोग के जीवाणु से लड़ने की क्षमता नहीं होती है।

कार्यक्षमता से अधिक काम करने पर: क्षय रोग व्यक्ति को तब हो जाता है जब रोगी अपने कार्य करने की शक्ति से अधिक कार्य करता है।

गीले व धूल भरे वातावरण से: अधिक गीले स्थान पर रहने तथा धूल भरे वातावरण में रहने के कारण भी क्षय रोग हो जाता है।

धूप की कमी से: प्रकाश तथा धूप की कमी के कारण तथा खान-पान में अनुचित ढंग का प्रयोग करने के कारण भी क्षय रोग हो सकता है।

माता-पिता से बच्चों को: क्षय रोग के कीटाणु या तो छोटे बच्चे के माता-पिता से या गलत तरीके के रहन-सहन से बच्चों को होता है।

कुपोषण से: कुपोषण या अत्यधिक कम वजन होने से टी.बी के बैक्टेरिया जल्दी शरीर पर अटैक करते हैं।

अल्कोहल या नशीली दवाओं से: अत्यधिक अल्कोहल या नशीली दवाओं के सेवन से तपेदिक होने का खतरा बढ़ जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**